दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 279/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन

भोपाल, सोमवार 19 मई 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

माफी नामंजूर

विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी बनाई, कर्नल सोफिया पर कमेंट किया था

नई दिल्ली। भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की माफी सुप्रीम कोर्ट ने नामंजूर कर दी है। हालांकि उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है।

- **मंगलवार रात 10 बजें तक एसआईटी गठित होगी**
- **28 मई को उसकी रिपोर्ट देगी**
- **एसआईटी में 1 अफसर आईजी रैंक और दो अफसर एसपी रैंक के होंगे**
- **एक महिला अधिकारी अनिवार्य है**

इसके साथ ही मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठन किया है। इसमें तीन IPS अधिकारी होंगे और सभी मध्य प्रदेश कैडर से बाहर के होंगे। इनमें एक अधिकारी महिला होगी।

सुनवाई के दौरान शाह के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट ने माफी मांग ली है। इस पर कोर्ट ने कहा कि कभी-कभी माफी बचने के लिए मांगी जाती है, तो कभी-कभी ये मगरमच्छ के आंसू जैसी होती है। आपका क्या मतलब है? जिस तरह के भद्दे कमेंट उन्होंने किए वह भी बिना सोचे-समझेज्अब आप उसके लिए माफी मांग रहे हैं। अगली सुनवाई 28 मई को होगी।

शाह ने सोफिया को आतंकियों की बहन कहा था

मंत्री विजय शाह ने 11 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा था, 'उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा।'

शाह ने आगे कहा- 'अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते। इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा, कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है, तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर ले सकते हैं।'

बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश विभाग के सचिव विक्रम मिसरी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऑपरेशन और अन्य जानकारियां दे रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के आयोजन के लिए गठित समारोह समिति की बैठक को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संबोधित किया।

आपरेशन सिंदूर पर विदेश जाने वाली संसदीय समिति को ब्रीफ करेंगे विदेश सचिव मिसरी, पहला चरण आज

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद हुए भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष पर सोमवार को एक संसदीय समिति को जानकारी देंगे। यह बैठक भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाने और उसके बाद दोनों देशों के बीच हुए सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में हो रही है। भारत और पाकिस्तान 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए सहमत हुए। मिसरी सोमवार और मंगलवार को कांग्रेस सदस्य शशि थरूर की अध्यक्षता वाली समिति को भारत और पाकिस्तान के संबंध में विदेश नीति की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देंगे। भाजपा के राजीव प्रताप रूडी की अध्यक्षता वाली जल संसाधन समिति को विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों द्वारा बाढ़ परिदृश्य, नदी तटों के संरक्षण, मिट्टी के कटाव, मानसून के दौरान राहत उपायों, सीमा पार बहने वाली नदियों सहित अन्य मुद्दों पर जानकारी दी जाएगी।

सांसदों के 7 डेलिगेशन अलग-अलग देशों की यात्रा पर जाएंगे

सांसदों के 7 डेलिगेशन अलग-अलग देशों की यात्रा पर रहेंगे। यात्रा पर जाने से पहले विक्रम मिसरी दो चरणों में सांसदों को ब्रीफ करेंगे। संसद भवन में डेलीगेशन को ब्रीफ किया जाएगा। बीफ्रिंग का पहला चरण 20 मई को होगा जिसमें श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी और संजय झा के नेतृत्व वाले तीन डेलिगेशन शामिल होंगे। ब्रीफिंग के बाद ये तीन ग्रुप 21 से 23 मई के बीच विदेश दौरे पर रहेंगे। दूसरे चरण की ब्रीफिंग 23 मई को होगी। इसमें सुप्रिया सुले, बैजयंत पांडा, रविशंकर प्रसाद और शशि थरूर की अगुवाई वाले चार अलग-अलग डेलिगेश को विक्रम मिसरी ब्रीफ करेंगे।

भारतीय सेना का खुलासा

पाकिस्तानी सेना ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर दागे थे ड्रोन और मिसाइल

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर की मदद से पाकिस्तान के आतंकी संगठनों और उसकी सेना दोनों को ही कुछ ही दिनों में घुटने पर ला दिया था। हालांकि, भारत ने इस ऑपरेशन के दौरान इस बात का खास ध्यान रखा कि भारत के हमले में पाकिस्तान के आम लोगों को कोई नुकसान न पहुंचे। हालांकि, कायर पाकिस्तान की सेना ने जानबूझकर भारत के नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया। अब भारतीय सेना ने पाकिस्तान की एक और कायराना हरकत का खुलासा किया है। सेना ने बताया है कि पाकिस्तानी सेना ने पंजाब के अमृतसर में स्थित पवित्र स्वर्ण मंदिर को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाना की कोशिश की थी। हालांकि, भारतीय सेना ने पाकिस्तान के इस मंसूबे पर पानी फेर दिया था। भारतीय सेना के मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने इस बारे में बताया कि यह जानकारी थी कि पाकिस्तानी सेना के पास कोई लिजिमेट लक्ष्य नहीं है। हमने अनुमान लगाया था कि वे सैन्य ठिकानों, धार्मिक स्थलों सहित नागरिक लक्ष्यों को निशाना बनाएंगे। इसमें अमृतसर का स्वर्ण मंदिर सबसे प्रमुख माना गया था। हमने स्वर्ण मंदिर को पूरी वायु रक्षा देने के लिए मॉडर्न एयर डिफेंस सिस्टम से कवर किया। 8 मई की सुबह, अंधेरे में पाकिस्तान ने मुख्य रूप से ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों के साथ बड़े पैमाने पर हवाई हमला किया। हम पूरी तरह से तैयार थे क्योंकि हमने इसकी आशंका जताई थी। हमारे बहादुर और सतर्क सेना के एयर डिफेंस गनर्स ने पाकिस्तानी सेना के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

आरएसएस मुख्यालय में आतंकी हमले के मास्टरमाइंड

लश्कर-ए-तैयबा का टॉप आतंकी अबू सैफुल्लाह ढेर

इस्लामाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय नागपुर पर 2006 में हुए आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के कुख्यात आतंकवादी अबू सैफुल्लाह खालिद उर्फ रजाउल्ला निजामनी को पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर ढेर कर दिया। भारत में कई आतंकी हमलों की साजिश रचने वाला खालिद पाकिस्तान सरकार की सुरक्षा में था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, खालिद ने वर्ष 2000 की शुरुआत में नेपाल से लश्कर के आतंकी अभियानों का नेतृत्व किया। उसके कई उपनाम थे, जिनमें विनोद कुमार, मोहम्मद सलीम और रजाउल्लाह शामिल थे। वह रविवार दोपहर मतली स्थित अपने घर से निकला था, तभी सिंध के बदनी में एक क्रॉसिंग के पास हमलावरों ने उसे गोली मार दी। गोली लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

भोपाल-इंदौर: मेट्रोपॉलिटन रीजन का एक्ट तैयार

कैबिनेट में कल पेश होगा प्रस्ताव

भोपाल। भोपाल और इंदौर को मेट्रोपॉलिटन रीजन के रूप में विकसित करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने तेज़ी से कदम बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हाल ही में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में इस महत्वाकांक्षी योजना का प्रारूप प्रस्तुत किया गया। अब मध्यप्रदेश मेट्रोपॉलिटन नियोजन एवं विकास अधिनियम 2025 का प्रस्ताव मंगलवार को इंदौर के राजवाड़ा में होने वाली कैबिनेट बैठक में पेश किए जाने की संभावना है।

भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन में लगभग 9600 वर्ग किलोमीटर

इस अधिनियम के तहत भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन में लगभग 9600 वर्ग किलोमीटर और इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन में 9336 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र शामिल किया जाएगा। भोपाल रीजन में रायसेन, विदिशा, राजगढ़ और सीहोर जिलों के हिस्सों को जोड़ा जाएगा। दक्षिण में ओबेदुल्लागंज से लेकर उत्तर में श्यामपुर तक इसका विस्तार होगा। यह योजना 35 लाख की वर्तमान आबादी और 60 लाख की संभावित जनसंख्या को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। जानकारी के अनुसार 14 माह में रीजनल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट प्लान तैयार होगा।

भोपाल मेट्रो ट्रायल 90 किमी/घंटा की रफ्तार से, सितंबर से शुरू होगी कमर्शियल सेवा

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। राजधानी के पांच स्टेशनों पर फिनिशिंग कार्य तेजी से चल रहा है, जबकि तीन स्टेशनों पर इंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स पर काम जारी है। स्टेशनों के भीतर फॉल सीलिंग, लाइटिंग, टाइल्स और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं। अधिकांश स्टेशनों पर एस्केलेटर और लिफ्ट का काम पूरा हो चुका है। भोपाल मेट्रो के पहले चरण में 7 किलोमीटर लंबा रूट सुभाष नगर से एम्स तक खोला जाएगा, जिसमें कुल 8 स्टेशन होंगे। यह रूट एलिवेटेड कॉरिडोर के रूप में विकसित हो रहा है। इसमें रानी कमलापति रेलवे स्टेशन (आरकेएमपी) पर स्काईवॉक बनेगा। 700 मीटर का स्काईवॉक का एक सिरा मेट्रो स्टेशन के कॉनकोर्स और दूसरा सिरा रेलवे स्टेशन के कॉनकोर्स से जुड़ा होगा।

जगतगुरु शंकराचार्य श्री श्री 1008 सदानंद जी महाराज को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत ग्रामीण एवं श्रम कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भोपाल में प्राप्त किया।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से हडको चेयरमैन संजय कुलश्रेष्ठ ने मंत्रालय भोपाल में सौजन्य भेंट की।

नूंह से एक और पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

नूंह एजेंसी। हरियाणा पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों ने नूंह जिले में पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तावडू उपमंडल के गांव कांगरका से तारीफ पुत्र हनीफ को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी दो दिन पहले राजाका गांव से अरमान की जासूसी के आरोप में हुई गिरफ्तारी के बाद हुई है।

तारीफ पर आरोप है कि वह व्हाट्सएप के जरिए भारतीय सैन्य गतिविधियों से जुड़ी गोपनीय जानकारी दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्च आयोग में तैनात दो कर्मचारियों को उपलब्ध करा रहा था। मामले में नूह पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट, 1923 और देशद्रोह की धाराओं के तहत आरोपी मोहम्मद तारीफ निवासी कांगरका थाना सदर तावडू पाकिस्तान उच्च आयोग में तैनात पाकिस्तानी नागरिक आसिफ बलोच और जाफर के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। हरियाणा पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना मिली कि तारीफ निवासी लंबे समय से भारतीय सेना और डिफेंस तैयारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी दुश्मन देश पाकिस्तान में भेज रहा है। जो लोगों को पाकिस्तान जाने के लिए वीजा लगवाने के लिए बोलता था।

एक साल पहले इंदौर और उज्जैन आई थी ज्योति मल्होत्रा

इंदौर एजेंसी। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार की गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा करीब एक साल पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन और इंदौर आई थी। उसके यूट्यूब चैनल %ट्रेवल विथ जो% पर इससे जुड़े वीडियो भी मौजूद हैं। पहला वीडियो 23 मार्च 2024 को हिसार से उज्जैन तक की ट्रेन यात्रा का है, जबकि दूसरा वीडियो 26 मार्च 2024 को इंदौर से दिल्ली तक की बस यात्रा का है। आश्चर्यजनक बात यह है कि इन दोनों शहरों में कई प्रमुख पर्यटन स्थल होने के बावजूद ज्योति ने केवल इन शहरों में आने और जाने के वीडियो ही डाले हैं, लेकिन वहां घूमने की कोई जानकारी उसने साझा नहीं की है। वहीं ज्योति मल्होत्रा हाल ही में इंडोनेशिया के लोकप्रिय पर्यटन स्थल बाली की यात्रा पर भी गई थी।

विविध योजनाओं और उपक्रमों के लिए महाराष्ट्र को केंद्र का पूर्ण सहयोग- शिवराज सिंह चौहान

नागपुर। उन्नत बीज, जैविक खाद, मौसम अनुकूल पद्धतियां, आधुनिक तकनीक, स्मार्ट सिंचाई और बाजार से जुड़ाव का उचित समन्वय किसानों को बनाए रखने की आवश्यकता है। यह बात केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नागपुर में, महाराष्ट्र में संचालित कृषि एवं ग्रामीण विकास संबंधी योजनाओं की समीक्षा बैठक में कही। अमरावती रोड स्थित राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमी उपयोजन - एनबीएसएस एलयूपी के सभागार में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस की प्रमुख उपस्थिति में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

कृषि विभाग को देश के विभिन्न हिस्सों में वहां के मौसम के अनुकूल फसल की किस्में विकसित करने के निर्देश केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दिए। साथ ही, प्रत्येक किसान को फार्मर आईडी उपलब्ध कराने के लिए विशेष उपाय योजना करने और आगामी समय में आईडी के बिना कृषि योजना का लाभ न देने के निर्देश भी उन्होंने इस अवसर पर दिए। आने वाले समय में भी विभिन्न योजनाओं और उपक्रमों के लिए महाराष्ट्र को केंद्र का पूर्ण सहयोग मिलेगा, यह बात भी केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर कही।

नईदुनिया का भव्य भवन ढहा तो लगा कि मेरे भीतर का ही एक हिस्सा ढह गया!

एमसीजेयू के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी की सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट

हिंदी के पाठकों और पत्रकारों के लिए यह एक ब्रेकिंग न्यूज ही है। इंदौर के बाबू लाभचंद छजलानी मार्ग पर नईदुनिया का भव्य भवन ढहा दिया गया है। हिंदी पत्रकारिता की यह शक्तिपीठ 13 साल पहले ही शक्तिहीन हो चुकी थी। एक ढाँचा भर था, जो उसके स्मारक की तरह अब तक खड़ा था। विनय छजलानी इन दिनों विदेश में हैं। अब वह भवन कांक्रीट के ढेर के रूप में सामने है। वे लौटकर आएँगे तब तक उन्हें नश्वर संपत्ति की नई इबारत लिखने के लिए मैदान साफ मिलेगा। साल 2012 में उत्तरप्रदेश के दैनिक जागरण समूह के हाथों बिकने के बाद पुरानी नईदुनिया का यह तेरहवाँ साल है। यह संपत्ति छजलानी परिवार के पास थी, जहाँ पत्रकारिता की एक महान विरासत फली-फूली थी। मध्यप्रदेश और मालवा की उर्वर भूमि से इस विरासत का कोई उत्तराधिकारी नहीं निकला। संपत्ति के मालिकों ने अपनी निजी संपत्ति के बारे में वही निर्णय लिया, जो लाभ कमाने के लिए कोई भी समझदार कारोबारी करता है।

महीना भर पहले ही इंदौर प्रेस क्लब में मैंने नईदुनिया के दुखद अवसान पर कहा था कि वह संपत्ति भले ही सेठिया और छजलानी परिवार की रही होगी मगर वह विरासत मालवा और मध्यप्रदेश की थी। वह विरासत हिंदी पत्रकारिता की थी। वह समाज की धरोहर थी, जिसे उसकी पुरानी सुगंध के साथ सहेजा जाना चाहिए था। मगर आर्थिक संकट उस स्तर पर पहुंचा दिए गए कि बिकना ही एकमात्र विकल्प रहा गया। और एक दिन वह बिक गया। जैसे हर दिन हजारों मकान, दुकान और प्लॉट बिकते हैं, नईदुनिया भी बिक गया। हर साल धार्मिक और सामाजिक उत्सवों पर दो-चार सौ करोड़ फूँकने वाले प्रदेश के सबसे कमाऊ इंदौर शहर में किसी को कोई फर्क नहीं पड़ा। इंदौर की पहचान का सौदा हो चुका था और देर रात सराफ की चाट खाकर सोए शहर के जागृतजन अगली सुबह बड़े आराम से उठे और अपने काम में लग गए।

मैं कोविड के ठीक पहले इसी भव्य भवन के पीछे स्थित आवास पर आदरणीय अभयजी से मिलने पहुँचा था। यह वही प्रांगण था, जहाँ मुझ जैसे अनेक युवाओं को पत्रकारिता में आगे बढ़ने के आरंभिक अवसर मिले थे। इसी आँगन में हमने अपने नन्हें कदमों से संभलकर खड़े होना और चलना सीखा था। नवंबर 1994 में जब मेरा चयन हुआ तब इंदौर के प्रिय बाबा यानी राहुल बारपुते जीवित थे। संपादकीय विभाग में उनकी मेज-कुर्सी हॉल के बिल्कुल बीचों बीच किसी मंदिर के गर्भगृह जैसी थी। वे अकेले थे, जो सिगरेट सुलगा सकते थे। उनकी सिगरेट किसी धूनी के धुएँ जैसी थी। बाबा अपने जीवन के उत्तरार्द्ध में थे। दो साल बाद ही चल बसे। उनकी उपस्थिति नईदुनिया की महान संपादकीय परंपरा की अंतिम कड़ी थी। फ्रंट पेज की डेस्क पर ठाकुर जयसिंह पुराने संपादकीय सहयोगियों में थे। मैं शाम चार से छह तक उनके सामने वाली कुर्सी पर बैठता था। एक दिन सेव-परमल की शाम की नियमित दावत में उन्होंने कहा कि विजय एक समय प्रभाष जोशी इसी डेस्क पर बैठते थे। यह सुनते ही मैं संभलकर बैठ गया था। इस परिसर से राजेंद्र माथुर और प्रभाष जोशी जैसे हिंदी के शिखर संपादक निकले थे। शरद जोशी जैसे प्रसिद्ध व्यंग्यकार का गहरा नाता नईदुनिया से रहा था। वेदप्रताप वैदिक बाबा से मिलने आया करते थे। उन चमकदार दशकों में इंदौर आने वाली विविध क्षेत्रों की शिखर विभूतियाँ नईदुनिया की परिक्रमा किया करती थीं।

जून 1997 में नईदुनिया 50 साल का हुआ। इसके ठीक एक साल पहले एक सुबह सराफे की चाट खाकर सोए इंदौरवासियों ने शहर के चौराहों पर एक आकर्षक होर्डिंग देखा था।

- शेष पेज 6 पर

धर्मपथ पर जीवन का उत्कर्ष और सर्वांगीण अभ्युदय

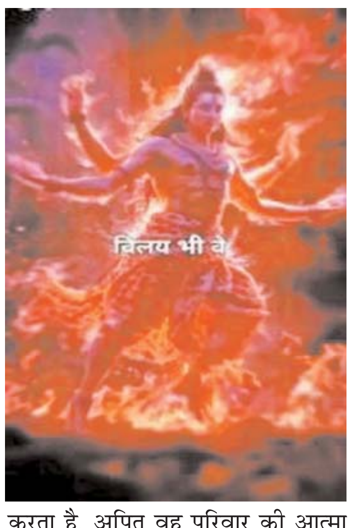

जीवन के उत्कर्ष, आत्म-उन्नयन और सर्वतोमुखी अभ्युदय हेतु आवश्यक है कि हम धर्म के पथ पर अग्रसर हों; उसी मार्ग पर, जिस पर महान ऋषि-मुनि और महापुरुष अनुसरण करते हुए परम सिद्धि को प्राप्त हुए हैं। सत्य और धर्म का मार्ग इसलिए भी श्रेष्ठ है, क्योंकि यह लौकिक और पारलौकिक दोनों प्रकार की समृद्धि का द्वार है। यदि हम अपने नियत कर्मों का आचरण धर्मानुसार करें, तो उससे प्राप्त धन न केवल शरीर और स्वास्थ्य की रक्षा करता है, अपितु वह परिवार की आत्मा में संस्कारों का पुष्प-वृष्टि भी कर देता है। अत: आडंबरों को त्याग कर, धर्म के आलोक में आत्मा के वास्तविक विकास की ओर चलें — यही सच्ची साधना है, यही जीवन का परम प्रयोजन हैं।

संयुक्त राष्ट्र सड़क सुरक्षा सप्ताह: उपभोक्ता समूहों ने ओवरस्पीडिंग और सुरक्षित सड़कों के लिए ठोस कार्रवाई की मांग की

भोपाल में साइक्लोथॉन और वॉकथॉन आयोजित, मेक वाकिंग एंड साइकिलिंग सेफ़ थीम पर जागरूकता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट द्वारा कंज़्यूमर वॉयस, नई दिल्ली के सहयोग से भोपाल में सड़क सुरक्षा साइक्लोथॉन एवं वॉकथॉन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से ओवरस्पीडिंग पर रोक और मध्यप्रदेश में एक मजबूत राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा कार्य योजना की आवश्यकता को उजागर करने के लिए आयोजित किया गया। साइक्लोथॉन का शुभारंभ सुबह 7-30 बजे पुलिस अधिकारी श्री बाबूलाल द्वारा हृष्ट।।स्थ परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी से किया गया। रैली बिट्टन मार्केट के राजीव चौक, लिंक रोड नंबर 3, कोलार तिराहा, कोलार रोड, बंसल अस्पताल, मनीषा मार्केट होते हुए पुन: हृष्ट।।स्थ परिसर लौटी। रैली में लगभग 130 साइक्लिस्टों ने भाग लिया और सड़क सुरक्षा के संदेश लिए प्लेकार्ड्स लेकर चले जिसमे कई महिलाएं भी शामिल थीं। साइकिल यात्रा के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और पैदल चलने वालों ने भी वॉकथॉन में भाग लिया, यह दर्शाने के लिए कि सड़क सुरक्षा केवल ड्राइवरों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का साझा दायित्व है। वॉकथॉन प्रतिभागियों ने भी सुरक्षित सड़कों के समर्थन में पोस्टर और बैनर लेकर मार्च किया। इस आयोजन में लायंस क्लब, भोपाल साइकिल राइडर ग्रुप, भोपालीज़ फिटनेस कम्युनिटी (क्क्त्रष्ट), हेल्पबॉक्स फाउंडेशन और कई अन्य संगठनों और नागरिक समूहों की भागीदारी रही। डॉ. प्रदीप नंदी, महानिदेशक, एनसीएचएसइ ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शहरी यातायात योजनाओं में पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों की सुरक्षा को केंद्र में रखना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि आईआईटी खड़गपुर द्वारा विकसित वैज्ञानिक गति सीमाएं और उनके सख्त पालन से हजारों जानें बचाई जा सकती हैं। यह विषय हमें स्मरण कराता है कि सुरक्षित परिवहन केवल मोटर चालकों के लिए नहीं, बल्कि हर सड़क उपयोगकर्ता के लिए सुनिश्चित किया जाना चाहिए। लायन जे.पी.एस. जौहर, जिला गवर्नर, लायंस क्लब भोपाल ने भी सभा को संबोधित किया और सड़क सुरक्षा के पक्ष में सामूहिक एकजुटता की अपील की। अविनाश श्रीवास्तव ने सभी जोशपूर्ण साइक्लिस्टों का स्वागत करते हुए उन्हें इस अभियान में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा संयुक्त राष्ट्र सड़क सुरक्षा सप्ताह प्रत्येक वर्ष मई माह के तीसरे सप्ताह में मनाया जाता है और इस वर्ष यह 12 से 18 मई के बीच मनाया जा रहा है। यह इसका आठवां संस्करण है और इस वर्ष की थीम है मेक वाकिंग एंड साइकिलिंग सेफ़ अर्थात 'पैदल चलना और साइकिल चलाना हो सुरक्षित'। सरकारी आंकड़े दर्शाते हैं कि मध्य प्रदेश में वर्ष 2022 में 13,427 सड़क दुर्घटना मौतें हुईं, जिनमें से 10,356 मौतें ओवरस्पीडिंग के कारण थीं यह देश में सबसे अधिक मृत्यु दर में से एक है। भोपाल में वर्ष 2024 में 2,900 सड़क दुर्घटनाएं, 235 मौतें और 2,200 से अधिक घायल दर्ज किए गए। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने मध्यप्रदेश परिवहन विभाग को संबोधित एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें गति सीमा नियंत्रण उपायों और नीतिगत सुधारों को शीघ्र लागू करने की मांग की गई। ज्ञापन में राज्य सरकार से अपील की गई कि वह वैज्ञानिक रूप से निर्धारित गति सीमाओं, सख्त प्रवर्तन व्यवस्था और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं को ध्यान में रखने वाली सुरक्षा नीति को प्राथमिकता दे।

कर्मचारी हितों पर निर्णय लेने पर राज्य कर्मचारी संघ ने किया मुख्यमंत्री का स्वागत

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रविंद्र भवन में कर्मचारी हितों पर निर्णय लेने पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक भगवान का समनानी नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंश भारतीय मजदूर संघ के संगठन मंत्री क्षेत्र संगठनमंत्री मध्य प्रदेश राजस्थान पेंशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव कार्यकारी अध्यक्ष अनिल एडमिन महामंत्री जितेंद्र सिंह पंकज श्रीवास्तव, सुभाष शर्मा, मयूर उपाध्याय हार्दिक संख्या में कर्मचारी नेता एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

भोपाल। नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर ने 500 से अधिक नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की। भोपाल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. जीशान अहमद और डॉ. जोहेब अहमद की टीम ने हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की जाँच और परामर्श उपलब्ध कराया। शिविर में स्वास्थ्य जागरूकता सत्र भी आयोजित हुए, जहाँ रोग निवारण और स्वस्थ जीवनशैली पर जानकारी दी गई।भारतीय जनता पार्टी के नेता और सीहोर विधायक सुदेश राय, जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर और पार्षद इरशाद पहलवान ने शिविर में हिस्सा लिया और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। सीहोर के नागरिकों ने इस आयोजन की सराहना की, जिसने उपचार के साथ-साथ सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा दिया।यह शिविर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच और जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावी कदम साबित हुआ।

सेवा भारती महावीर मंडल द्वारा बालिकाओं को आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण

संत हिरदाराम नगर। सेवा भारती महावीर मंडल और भोपाल पुलिस द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर कोटरा में दो दिवसीय विशेषज्ञ और अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा 55 बालिकाओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक और प्रभावी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया एवं आत्मरक्षा के कौशल सिखाकर उन्हें सुरक्षा और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ साथ आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना था सेवा भारती द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे इस कार्यक्रम में सुरेंद्र सिंह सोलंकी संगठन मंत्री मध्य भारत प्रांत सेवा भारती, डॉ. अभिजीत देशमुख एवं मध्य प्रदेश बिल्डर्स एसोसिएशन अध्यक्ष असीन श्रीवास्तव ने संबोधित किया अपने उद्बोधन में सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने उपस्थित बालिकाओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों को जीवन कौशल के रूप में अपनाने का आव्हान किया। महावीर मंडल की इस पहल को अभिभावकों और समाज का भरपूर समर्थन मिला। इस अवसर पर महावीर मंडल कार्यकारिणी तथा महानगर आयाम प्रमुख कमलेश सिंह, मंडल संयोजिका कल्पना तथा मंडल निवेदिता भारती आयाम प्रमुख अंजना श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

लव जिहाद और साइबर अपराध को लेकर जागरुक करने हुआ सेमिनार

गुरुनानक सिंधी पंचायत द्वारा आयोजित सेमिनार में सैकडो महिलाओं एवं बच्चों ने लिया भाग

संत हिरदाराम नगर। रविवार का दिन ईदगाह हिल्स के रहवासियों के लिये खास था, यह पहला मौक़ा था जब सिंधी कम्यूनिटी हाल में गुरुनानक टेकरी सिंधी पंचायत द्वारा लव जिहाद, साइबर सुरक्षा, डिजिटल गिरफ्तारी, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं फ्रॉड, साइबर सुरक्षा व सोशल मीडिया एवं महिलाओं और परिवारों के खिलाफ अपराध का प्रभाव जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में सीनियर एडवोकेट पुरशोत्तम पंजवानी, साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट हर्ष वाधवानी उपस्थित रहे। इस सेमिनार की शुरुआत एडवोकेट पुरशोत्तम पंजवानी ने की, उन्होंने बताया कि आजकल के बच्चे-बच्चियां बड़ों से कैसे व्यवहार करते हैं, रात को क्या देखते हैं? यह सब हमारे संस्कारों पर निर्भर करता है। संयुक्त परिवार की भावना के बजाय एकल परिवार को बढ़ावा दिया जा रहा है। आज पूरे परिवार को एक साथ बैठ अपने बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, और ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन खरीदारी से दूर रहने की बात कही. पंजवानी ने कानून में महिलाओं के अधिकारो के बारे में विस्तार से चर्चा की। इसके बाद साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट हर्ष वाधवानी ने आज के जीवन में साइबर सुरक्षा, डिजिटल गिरफ्तारी, साइबर क्राइम के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया, साथ ही आज के जीवन में इस तरह के हाईटेक क्राइम से कैसे बचा जाए इसके लिए विस्तार से प्रोजेक्टर के (स्क्रीन) के माध्यम से जानकारी देकर उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को सचेत किया। इस अवसर पर वक्ता नरेन्द्र मंगवानी ने भी ऑनलाइन शॉपिंग से हो रहे दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दी। सेमिनार में पुरुषों एवं महिलाओं ने इन एक्पर्ट से खुल कर अपने पर्सनल सवाल पूँछे और एक्सपर्ट द्वारा काफी सरल व सहज तरीक़े के इन सभी सवालो का जवाब दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जयकिशन लालचंदानी, अमर दावानी, दीपक राजानी, राजेंद्र मनवानी, मनीष दरयानी, मुस्कान राजानी, दीपा रवि आनंद, सरिता कंजानी, अनीता सचदेव, हेमा कंजानी, जया गोगिया, सानिया मनवानी, शारदा कंजानी, हर्षा दादलानी, सोनल लालचंदानी, नीलम भुरानी, पलक दादलानी सहित सैकड़ो की संख्या में महिलायें एवं बड़ी संख्या में बच्चियाँ उपस्थित थी।

स्वस्थ पर्यावरण और सुंदर पेड़ पौधों को सुरक्षित रखें: तिवारी

भोपाल। आर्टिस्ट गिल्ड ऑफ एमपी के अध्यक्ष कैलाश तिवारी द्वारा पर्यावरण से संबंधित और वृक्षों की सुरक्षा को लेकर 8 स्टिकर्स यहां हैं। श्री तिवारी ने इस अवसर पर बताया कि आर्टिस्ट्स गिल्ड ऑफ एमपी के कलाकारों द्वारा कुछ माह से वैचारिक मंथन किया जा रखा था कि स्वस्थ पर्यावरण और वनस्पति की सुरक्षा के लिए हमारे प्राचीन वेद एवं उपनिषद शास्त्र पुराण एवं धर्मग्रंथ में क्या निर्देश दिए हुए हैं ? जिन्हें आज के संदर्भ में उपयोग कर हम स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत स्वस्थ पर्यावरण और सुंदर पेड़-पौधों को सुरक्षित रख सकें। इन्हें तो हमारी टीम अलग-अलग दिशा में अध्यन करने के लिए जुट गईं। वोट क्लब के प्राकृतिक वातावरण में एक सभी कलाकार पुणे कतरी हुए और विमर्श प्रारंभ हुआ। रंजीत सिंह अरोरा उपाध्यक्ष ने विषय रखते हुए कहा कि हमारी संस्कृति एवं वैदिक परंपराओं में जन मानस प्रकृति पूजक हैं। उसी के प्रकृति के पांच तत्वों तथा जड़ चेतन के संयोजन को ही पर्यावरण स्वस्थ जन, जंगल, जमीन,जल और पशु पक्षियों के आपसी तालमेल का उचित समायोजन हो तो शास्त्र के अनुसार मानव 120 वर्ष की आयु तक निरोग जी वन व्यतीत कर सकता है। आर्टिस्ट्स गिल्ड के अध्यक्ष आर्य कैलाश तिवारी ने अपने विचार से वेट करने से पूर्व ईश्वस्योपनिषद की प्रथम ऋचा ईशावास्यमिदं सर्व यत्किञ्च जगत्यां जगत् । जड़-चेतन प्राणियों वाली यह समस्त सृष्टि परमात्मा से व्याप्त है। मनुष्य इसके पदार्थों का आवश्यकतानुसार भोग करे, परंतु 'यह सब मेरा नहीं है के भाव के साथ' उनका संग्रह न करे। आवश्यकता से अधिक प्रकृति का दोहन करना, अपने विनाश को आमंत्रित करना है।

इस बैठक में सत्यनारायण शर्मा, विनय मल्होत्रा, राजेश सनातनी, डॉ शैलेंद्र शैली, पत्रकार भोपाल जैन एवं ऋषि आश्रम के संचालक पूज्य मौनी बाबा विशेष रूप से उपस्थित थे। उपरोक्त जो स्टीकर से प्रकाशित किए गए हैं उन्हें कलात्मक रूप से तैयार कर छापा खाने में स्टीकर बनाए हैं। संस्था के सहसचिव राजेश सनातनी ने बताया कि हमारी संस्था वर्तमान में लाख शासकीय और शासकीय एवं शहर के प्रमुख दुकान चौक चौराहे पर पोस्टर लगाकर पर्यावरण के प्रति हम संदेश दे रहे हैं और इसका आज से श्री गणेश हो चुका है। इसके पक्ष द्वितीय सोपान में हम भोपाल के समस्त वृक्षों पर इन्हीं स्टिकर के विनाइल प्रिंट बनवाकर लगाएंगे, जिससे नगर की शोभा पड़ेगी और सबसे महत्वपूर्ण एक बौद्धिक वातावरण तैयार होगा। जो आने वाले समय में वृक्ष मित्र और वृक्ष योद्धा के रूप में काम करेंगे।

इस दिशा में आर्टिस्ट बिल्ड ऑफ एमपी के सभी सदस्यों ने शपथ लेकर कहा कि अयोध्या में जो बाईपास कॉरिडोर बनाया जा रहा है जिसमें 8000 से अधिक वर्षों की बलि दी जा रही है हमारे होते हुए यह कदापि नहीं होगा। एक स्वर में स्वर में सभी ने संकल्प ईश्वर को साक्षी मानकर लिया है।

एक डॉक्टर की मुस्कुराहट, दवाओं से कहीं ज्यादा असर करती है: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि एक डॉक्टर की मुस्कुराहट, दवाओं से कहीं ज्यादा असर करती है। डॉक्टर का दर्जा हमारे समाज में बहुत ऊंचा है। विश्व पारिवारिक चिकित्सक दिवस संपूर्ण विश्व में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में पारिवारिक चिकित्सकों की भूमिका और उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 19 मई को मनाया जाता है। इस साल विश्व परिवार चिकित्सक दिवस का थीम 卐स्वस्थ ग्रह, स्वस्थ लोग卐 है, जो हमारे ग्रह के स्वास्थ्य और मानव स्वास्थ्य के बीच के संबंध को उजागर करता है। कई चिकित्सक समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ साथ लगातार परिवर्तन लाने की कोशिश भी कर रहे हैं। एक पारिवारिक चिकित्सक स्वास्थ्य देखभाल का हृदय होता है। पारिवारिक चिकित्सक व्यक्तियों और समुदायों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका समर्पण, करुणा और विशेषज्ञता उन्हें स्वास्थ्य देखभाल का केंद्र और रोगियों और परिवारों के लिए समर्थन का एक विश्वसनीय स्रोत बनाती है। फैमिली डॉक्टर' भारत में कोई नई अवधारणा नहीं है। ऐतिहासिक रूप से फैमिली डॉक्टर सामान्य चिकित्सक हुआ करते थे जो न केवल स्वास्थ्य प्रबंधकों के रूप में कार्य करते थे बल्कि एक परिवार के लिए एक मित्र, दार्शनिक, संरक्षक और मार्गदर्शक के रूप में भी कार्य करते थे। उन दिनों समाज ने आसानी से उपलब्ध और किफायती फैमिली डॉक्टर्स में बहुत विश्वास दिखाया। पारिवारिक डॉक्टर जीवन के सभी चरणों में परिवारों में शिशुओं से लेकर बुजुर्गों तक, सभी उम्र के रोगियों का इलाज करते हैं।

वे अपने रोगियों के साथ दीर्घकालिक संबंध विकसित करते हैं और जीवन के विभिन्न चरणों में निरंतर सहायता प्रदान करते हैं। वे अपने मरीजों की अद्वितीय स्वास्थ्य आवश्यकताओं को समझते हैं और व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करते हैं, जिससे वे परिवारों के लिए एक आवश्यक संसाधन बन जाते हैं। आइए हम सब स्वास्थ्य देखभाल परिणामों में सुधार लाने और दुनिया भर में स्वस्थ समुदाय बनाने में पारिवारिक डॉक्टरों और प्राथमिक देखभाल टीमों के अथक प्रयासों का सम्मान करें और उनकी सराहना करें । योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि हमारे जीवन की रचना हमारे मन द्वारा होती है। जैसा हम सोचते हैं, वैसे ही हम हो जाते हैं आपको शायद कभी ऐसा अनुभव हुआ हो जो कि किसी बहुत ही मधुर भाषी, कुशल और सुप्रसिद्ध चिकित्सक ने किसी रोगी का परीक्षण करते हुए मीठे ढंग से, प्रभावशाली शब्दों में रोगी से कहा हो फिक्र न करें।

कला प्रदर्शनी में लोगों को आकर्षित कर रही युवा कलाकार अंकित बगड़े की पेंटिंग्स

भोपाल। कला प्रदर्शनी में भोपाल के युवा कलाकार अंकित बगड़े की पेंटिंग्स ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। उनकी कलाकृतियाँ भारतीय देवी परंपरा के विविध रूपों को समर्पित थीं, जिनमें काली, त्रिपुर सुंदरी, गौरी और भैरवी जैसे आदिशक्ति के स्वरूपों को दर्शाया गया था। अंकित बगड़े की पेंटिंग्स में यह संदेश स्पष्ट रूप से उभर कर आता है कि प्रत्येक महिला, प्रत्येक माँ, स्वयं में देवी काली का रूप होती है। वह अपने बच्चे को स्नेह से पालती है, समय-समय पर अनुशासन सिखाती है और जीवन के महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाती है। इन चित्रों में माँ के वात्सल्य, अनुशासन और शिक्षण के पहलुओं को उजागर किया गया है, जो दर्शकों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से प्रभावित करती हैं। उनकी एक विशेष पेंटिंग में देवी आदिशक्ति को भावतारिणी भावसागर से पार कराने वाली) और जगद्धात्री संपूर्ण जगत की धारक के रूप में चित्रित किया गया है, जो दर्शकों को मातृत्व और शक्ति के गहरे अर्थों से परिचित कराती है। इन कलाकृतियों के माध्यम से अंकित बागड़े ने यह संदेश दिया है कि हर महिला में एक देवी का अंश होता है, जो पोषण, अनुशासन और ज्ञान के माध्यम से समाज को दिशा देती है। उनकी पेंटिंग्स न केवल सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक हैं, बल्कि वे दर्शकों को आत्मचिंतन और आध्यात्मिक अनुभव की ओर भी प्रेरित करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग को किया स्वीकृत

मुख्यमंत्री का मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने किया अभिनंदन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने के लिए सुव्यवस्था स्थापित करना राज्य सरकार का उद्देश्य है। इस मंशा का सफल क्रियान्वयन सरकार के कर्मचारियों पर निर्भर करता है, इस दृष्टि से प्रदेश के कर्मचारी सच्चे कर्म योगी हैं। कर्मचारियों के परिश्रम और समर्पण से ही जनकल्याण और विकास के पथ पर हमारा प्रदेश अग्रसर है। कर्मचारियों की कर्तव्य निष्ठा से जनहित की योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्य में शामिल हुआ है। प्रदेश के कर्मचारी सरकार और जनता के बीच नल और नील की तरह सेतु बनाने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवींद्र भवन में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अभिनन्दन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गत माह लिए गए कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिऐ मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने रविंद्र भवन में उनका अभिनंदन किया। कर्मचारी संघ के सदस्यों ने अंगवस्त्रम भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ.यादव का तिलक किया। इसके साथ ही उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। कर्मचारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री डॉ.यादव को वृहद आकार की मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद मां सरस्वती और पूर्व वरिष्ठ श्रमिक नेता स्व. दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक श्री भगवानदास सबनानी, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत श्रीवास्तव तथा महामंत्री श्री जितेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्मचारी संघ की ओर से कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने केंद्र सरकार का अनुसरण करते हुए प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र के समान करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही 9 वर्षों से लंबित हाउस रेंट अलाउंस की मांग को भी पूरा किया गया है। इसके साथ ही अधिकारियों- कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश में स्थानांतरण नीति का क्रियान्वयन किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान का वादा किया था। क्रमबद्ध रूप से सभी समस्याओं का निराकरण किया गया है। रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विशेष अभियान संचालित हैं। पुलिस में सभी पद भरे गए हैं। इसके साथ ही सभी जिलों में बैंड की पुलिस बैंड की स्वीकृति प्रदान की गई है। रिक्त हुए पदों को प्रतिवर्ष लोक सेवा आयोग की परीक्षा आयोजित कर भरने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। शासकीय कर्मचारियों की सुविधा के लिए शासकीय आवास की व्यवस्था प्राथमिकता पर की जा रही है। प्रदेश में लोक परिवहन के लिए बस सेवा भी आरंभ होने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि न्यू मार्केट में बने 3000 नवीन आवासों का लोकार्पण कर कर्मचारियों को आवंटित किया गया। यह कर्मचारियों के जीवन को अधिक आरामदायक बनाने का एक प्रयास है। इसी प्रकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बीमा कवर का लाभ देने की स्वीकृति दी गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच अधिकांश देशवासियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्मचारियों की स्वास्थ्य बीमा संबंधी मांग स्वीकृत करने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है। राज्य सरकार रोजगार परक उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को भी 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा निर्धारित चारों श्रेणियों, युवा- महिला- किसान- गरीब की बेहतरी के लिए प्रदेश में अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में बिजली, पानी, सड़क और अधोसंरचना की स्थिति कई राज्यों से बेहतर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभिनंदन के लिए कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि सरकार और कर्मचारी प्रदेशवासियों के जीवन की बेहतरी के लिए एक टीम की तरह लगातार काम करते रहेंगे।

भारत के छठे राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी जयंती

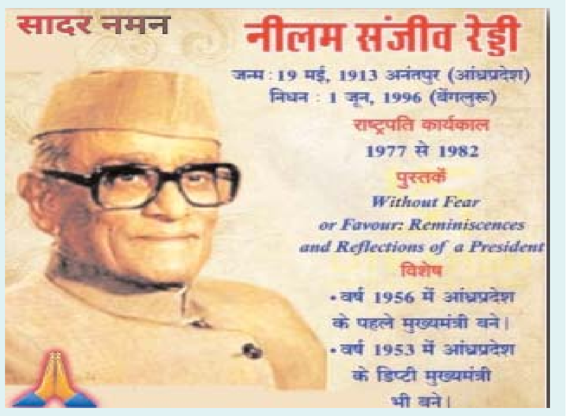

नीलम संजीव रेड्डी (19 मई 1913- 1 जून 1996) भारत के छठे राष्ट्रपति थे। वे आंध्र प्रदेश के एक कृषक परिवार में जन्मे थे। उन्होंने कवि, अनुभवी राजनेता और कुशल प्रशासक के रूप में अपनी छवि बनाई थी। वह भारत के पहले गैर-कांग्रेसी राष्ट्रपति थे। उन्होंने अक्टूबर 1956 में आंध्र प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया और फिर 1962 से 1964 तक इस पद पर रहे।

नीलम संजीव रेड्डी के जीवन के महत्वपूर्ण पहलू

जन्म और परिवार: नीलम संजीव रेड्डी का जन्म 19 मई, 1913 को आंध्र प्रदेश के एक कृषक परिवार में हुआ था.

राजनीतिक करियर: वे आंध्र प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री थे और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे.

राष्ट्रपति पद: 1977 में वे भारत के छठे राष्टपति बने और यह पद उन्होंने 1982 तक संभाला.

गैर-कांग्रेसी राष्ट्रपति: वे भारत के पहले गैर-कांग्रेसी राष्टपति थे.

विभिन्न भूमिकाएं: वे एक कवि, राजनेता और प्रशासक के रूप में जाने जाते थे.

मृत्यु: उनकी मृत्यु 1 जून, 1996 को हुई थी. (साभार)

सादर नमन...
राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

संग्रहालयों के तकनीकी उन्नयन से देश-दुनिया में प्रदेश की बनी पहचान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने राज्य संग्रहालय में इमर्सिव एक्सपीरियन्स सेंटर का किया लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धरोहरों के प्रति युवाओं की रूचि विकसित करने के लिए नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए जानकारियों का आकर्षक रूप से प्रस्तुतिकरण आवश्यक है। धरोहरों के संरक्षण के लिए भी अद्यतन तकनीक का उपयोग जरूरी है। इस दृष्टि से राज्य संग्रहालय ने इमर्सिव एक्सपीरियंस सेंटर आरंभ करने का नवाचार समयानुकूल है। प्रदेश में स्मारकों और संग्रहालयों में दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। संग्रहालयों की समृद्ध परंपरा में मध्यप्रदेश जिस प्रकार से कार्य कर रहा है, उससे देश- दुनिया में प्रदेश की विशेष पहचान बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर राज्य संग्रहालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इमर्सिव एक्सपीरियन्स सेंटर का लोकापर्ण किया तथा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में आयोजित कार्यक्रमों का भी वर्चुअल शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम बदलते दौर के भारत में रह रहे हैं। यह बदलाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है। संग्रहालय अब इतिहासकारों और शोधार्थियों के साथ-साथ जनसामान्य के लिए भी रूचि- आकर्षण और ज्ञानार्जन के केंद्र का रूप ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने राज्य संग्रहालय की सराहना करते हुए कि पर्यटकों के लिए अब भोपाल की यात्रा, राज्य संग्रहालय आए बिना अधूरी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा- उच्च शिक्षा और पर्यटन विकास निगम संयुक्त रूप से स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों के संग्रहालय भ्रमण का संभागवार क्रम बनाएं, इससे विद्यार्थी, प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ेंगे और राज्य संग्रहालय की खुबियों से अधिक से अधिक लोग परिचित हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने कहा कि प्रदेश के धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक केंद्रो को जन सामान्य से जोड़ने के लिए विभिन्न स्तरों पर गतिविधयां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश के प्रमुख नगरों के मुख्य प्रवेश मार्गों पर महापुरूषों को समर्पित द्वार विकसित किए जा रहे हैं। हमारे देवस्थान अभी तक केवल पूजा-पाठ के लिए जाने जाते थे। प्रदेश में निर्मित हुए महाकाल लोक सहित अन्य लोकों ने मंदिरों को आस्था, श्रद्धा के साथ-साथ लोक रुचि का भी स्वरूप प्रदान किया है । प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला, मुद्रा व्यवस्था सहित संपूर्ण जीवन पद्धति उन्नत स्वरूप में थी। नवीनतम तकनीक से इनके संरक्षण और प्रस्तुतीकरण से हमारी समृद्ध धरोहर को वर्तमान और आगामी पीढ़ी की रूचि के अनुकूल बनाए रखने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य संग्रहालय परिसर में आयोजित 'संग्रहालय मेला' के अंतर्गत पुरातत्व के संरक्षण और संवर्धन से संबंधित विभिन्न स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने उत्खनन उपकरण के प्रकार और कार्य सहित दस्तावेजों के डिजिटलाइजेशन की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मेले में ऐतिहासिक इमारतों के 3डी प्रिंटिंग और कॉस्टिंग से बने मिनिएचर और पीओपी से बनी मूर्तियों को सराहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में पहली बार वर्चुअल म्यूजियम केंद्र आंखों देखा का शुभारंभ किया गया, जो आगंतुकों को एक अद्वितीय डिजिटल अनुभव प्रदान करेगा। यह केंद्र इंटरैक्टिव और इमर्सिव तकनीक के माध्यम से बिना किसी फिजिकल गाइड के संग्रहालय की गहन यात्रा का अनुभव कराएगा।

भोपाल। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा ने रविवार को पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा से निवास पर सौजन्य भेंट की।

प्रभारी मंत्री की बैठक में मुझे नहीं बुलाना क्षेत्र की जनता का अपमान: विधायक अभय मिश्रा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रीवा जिले के सेमरिया विधानसभा के कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने जिला मुख्यालय रीवा में प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल की बैठक में आमंत्रण न देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारवार्ता में बताया कि म0प्र0 शासन के स्थानान्तरण नीति के कियान्वयन को लेकर प्रभारी मत्री प्रहलाद पटेल द्वारा दिनांक 18/5/2025 को सार्किट हाउस जिला रीवा मे सुबह 11 बजे निर्वाचित जिले के सांसद / विधायकों की बैठक में विधानसभा सेमरिया 69 के निर्वाचित विधायक को बैठक में आमंत्रित न किये जाने के सम्बन्ध में। विषयांतर्गत जिले के अन्य निर्वाचित विधायकगण / जनप्रतिनिधि से प्राप्त जानकारी एवं उनसे उपलब्ध वाटस साप मैसेज के माध्यम से सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित विधायक एवं सांसद को बैठक में उपस्थित हेतु आग्रह किया गया है किन्तु विधानसभा सेमरिया के निर्वाचित विधायक के रूप मुझे किसी प्रकार की बैठक की सूचना प्राप्त नहीं हुई है । तत्संबंध में मेरे द्वारा आज दिनांक 17/5/2025 को लगभग 8.30 बजे कलेक्टर फोन के माध्यम जानकाकरी चाही गई कि विधानसभा क्षेत्र 69 सेमरिया के निर्वाचित विधायक को सूचना क्यो प्रदत्त नहीं की गई। तत्संबंध में उनका कहना था कि प्रभारी मंत्री की इच्छा है किसे बुलाये या न बुलाये एवं अपने दल प्रतिनिधियो को बुलाया है। इसमें मैं कुछ नही कर सकती, न ही मेरी कोई भूमिका है। जबकि इन्ही के अनुविभागीय अधिकारी गुढ़ प्रोटोकाल अधिकारी जिला रीवा अनुराध तिवारी द्वारा सभी विधायको को फोन मे वाटस साप पर मैसेज भेजकर बैठक में उपस्थित का आमंत्रण दिया गया है। कलेक्टर रीवा द्वारा भी अनुविभागीय अधिकारी गुढ़ अनुराग तिवारी को अपने अधिकार हस्तांनातरित कर प्रोटोकाल सत्कार अधिकारी का उत्तरदायित्व सौपा गया है इसलिये यह कहना कि मेरी कोई भूमिका नहीं है यह कहना औचित्य पूर्ण नहीं है।

मेरा कथन है कि ट्रॉसफर नीति म0प्र0 सरकार की है एवं कल दिनांक 18/5/2025 को ट्रॉसफर नीति को लेकर आयोजित की जा रही बैठक म0प्र0 सरकार की ट्रॉसपर नीति का हिस्सा है एवं संविधान में की गई व्यावस्था अनुरूप मै निर्वाचित विधायक हूँ। मुझे बैठक मे बुलाया जाना अनिवार्य था एवं ट्रॉसफर नीति को लेकर की जा रही बैठक से सेमरिया विधायक (मुझे) अलग रखा जाना संविधान एवं सेमरिया विधानसभा क्षेत्र 69 की जनता जर्नादन का अपमान है यह कोई पार्टी विशेष की बैठक नहीं है।

महिला स्वसहायता समूहों को भ्रमण किट 23 मई तक आवश्यक रूप से वितरित हो

भोपाल। प्रदेश में केन्द्र सरकार के एक पेड़ माँ के नाम से प्रेरित होकर अमृत मित्र योजना के अंतर्गत वूमन फॉर ट्री पौध-रोपण अभियान का संचालन किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश में 5 जून से 31 अगस्त तक चलाया जायेगा। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने विस्तृत दिशा निर्देश नगरीय निकायों को जारी किये है। यह अभियान अमृत 2.0 योजना एवं डे-एनयूएलएम के कन्वर्जेंस से संचालित किया जा रहा है। नगरीय निकायों को पौध रोपण का स्थल चयन कर अमृत 2.0 के पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है।

बकाया बिजली बिल भुगतान नहीं करने पर निलंबन की कार्रवाई

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ जिला मजिस्ट्रेट द्वारा शस्त्र लायसेंस निलंबन की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला मजिस्ट्रेट गुना किशोर कुमार कन्याल द्वारा शस्त्र लाइसेंस निलंबन का नोटिस देने के बाद भी बिजली का बकाया बिल जमा नहीं करने वाले सुरेंद्र कपूर निवासी कालापाठा कैंट जिला गुना का शस्त्र लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर शस्त्र संबंधित थाने में जमा करने के आदेश दिए गए हैं। सुरेंद्र कपूर के ऊपर बिजली कंपनी की लगभग 8 लाख से अधिक बिल बकाया है जिसे नोटिस देने के बाद भी जमा नहीं कराया गया है। उल्लेखनीय है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के जिलों में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आर्म्स डीलर लाईसेंस एवं शस्त्र लाईसेंस की स्वीकृति एवं नवीनीकरण के लिए बिजली कंपनी से नोड्यूज प्राप्त किया जाना अनिवार्य किया गया है। कंपनी द्वारा गृह विभाग, म.प्र.शासन के आदेश के अनुसार कंपनी कार्यक्षेत्र के ऐसे शस्त्रधारी बिजली उपभोक्ता जिनके द्वारा बकाया विद्युत बिलों का समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है।

रदा दक्षिण संभाग उपकेंद्र ऑपरेटर के साथ मारपीट करने वाले आरोपी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा हरदा वृत्त के पोखरनी वितरण केन्द्र अंतर्गत शासकीय कार्य मैं बाधा डालने एवं ऑपरेटर से मारपीट करने वाले आरोपित के विरूद्ध एफ.आई.आर दर्ज कराई गई है। सहायक प्रबंधक टिमरनी मोनिका सिंह ठाकुर ने बताया कि उपेंद्र पोखरनी ऑपरेटर प्रकाश ग्वहारिया पिता मोहन लाल ग्वाहरिया के साथ कुलदीप रायखेरे ने गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। इसके खिलाफ थाना टिमरनी में एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोपित कुलदीप रायखेरे ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पोखरनी वितरण केन्द्र सब स्टेशन में आपरेटर के पद पर पदस्थ आउटसोर्स कर्मचारी प्रकाश गुहारिया से जबरदस्ती सब स्टेशन के गेट का ताला खुलवाकर मारपीट की तथा विद्युत उपकरणों को क्षति पहुंचाने की कोशिश की। रात में बिजली चली जाने की बात कहते हुए आरोपित द्वारा मारपीट की गई और कंट्रोल पैनल में लाइट मारकर रिले तोड़ दिया गया। जिससे पूरे क्षेत्र की लाइट चली गई। इसके बाद ऑपरेटर प्रकाश गुहारिया ने उक्त घटना के संबंध में थाना टिमरनी पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई गई है। बिजली कंपनी के मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तुरन्त एफ.आई. आर. कराने के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि प्राय: देखने में आ रहा है कि बिजली कर्मियों पर ड्यूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार किया जा रहा है। चूंकि ऐसी घटनाएं विद्युत अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल गिराती हैं, इसलिए कंपनी के कार्यक्षेत्र में कार्यरत सभी नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार या मारपीट की घटनाओं को पूरी गंभीरता से लिया जाए।

गर्मी का कहर....

भोपाल। राजधानी में गर्मी का कहर जारी है। मौसम में भले ही बदलाव के चलते आसमान पर बादल छाने लगते है लेकिन उमस ने लोगों का बेहाल कर दिया है। दिन और रात एक जैसे कट रहे है।

प्रदेश की नगरीय निकाय प्रणाली में पारदर्शिता लाने शहरी सुधार कार्यक्रम

भोपाल। प्रदेश के नगरीय निकाय प्रणाली में सुधार कर पारदर्शिता लाने और कार्यक्षमा में वृद्धि करने के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शहरी सुधार कार्यक्रम योजना लागू की है। नगरीय निकायों की लेख प्रणाली के संभूति आधारित द्विप्रविष्टीय लेखा प्रणाली में परिवर्तन करने के लिये कार्य किया गया है। प्रदेश की 369 निकायों में यह कार्य पूर्ण किया जा चुका है। नवगठित 44 निकायों में निविदाएं आमंत्रित करने की कार्रवाई तेजी से की जा रही है। प्रदेश के नगरीय निकायों में जी.आई.एस. आधारित मानचित्र तैयार कर संपत्तिकर के दायरे और वसूली में वृद्धि किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। जीआईएस आधारित बहुउद्देशीय पारिवारिक सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत प्रदेश की सभी 413 नगरीय निकायों का आधार मानचित्र कार्य पूरा कर लिया गया है। इसी के साथ 294 नगरीय निकायों जिनमें नगर निगम मुरैना को शामिल करते हुये संपत्ति सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्रदेश की 119 नगरीय निकायों में कार्य प्रगति पर है। राज्य के 15 नगर निगमों में से 9 नगर निगमों में संपत्ति सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया जा चुका है। अब शेष रह गये 6 नगर निगमों में सर्वेक्षण का काम तेजी से किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के नगरीय निकायों को राजस्व संग्रहण के लिये प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रोत्साहन पुरस्कार राशि प्रदान की जा रही है। नगरीय निकायों में राजस्व संग्रहण को बढ़ाने के लिये लगातार समीक्षा करने के भी निर्देश दिये गये हैं। जिन नगरीय निकायों में राजस्व संग्रहण में वृद्धि हुई है, उन्हें अनुदान राशि विभाग द्वारा शीघ्र जारी की जा रही है।

जल गंगा संवर्धन जैसे अभियान ही कर सकते हैं जल संकट की वैश्विक चिंता का समाधान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान पर्यावरण और जल संरक्षण, जल संरचनाओं के पुनरुत्थान और सांस्कृतिक चेतना का समवेत संगम बन गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने इस अभियान' से जल संकट के समाधान के लिये गंभीर पहल की है। जल संकट देश-प्रदेश ही नहीं पूरी दुनिया की चिंता का विषय है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए तो यह जीवन-मृत्यु का विषय है। भविष्य की चिंताओं का समाधान आज के अभियान में जल संवर्धन के प्रयासों में निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान एक बहुस्तरीय आयोजन है। इसका उद्देश्य राज्य के जल स्रोतों जैसे नदियों, तालाबों, झीलों, बावड़ियों, पुराने कुओं और जलधाराओं को पुनर्जीवित करना और उन्हें सतत रूप से संरक्षित करना है। यह अभियान सरकारी योजना से आगे बढ़कर अब जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

नजरिया

हमने जिंदगियों को बचाया, 'एहसान फरामोश' तुर्किये जिंदगी छीनने खड़ा हुआ

तुर्किये 'एहसान फरामोशी' का सबसे बदनाम उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किये में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, करीब 40,000 लोग मारे गए थे, इमारतें 'मिट्टी-मलबा' हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने उसे मानवीय दायित्व समझा और पूरा अभियान चलाया। हमारे एनडीआरएफ के जवानों ने दबी हुई जिंदगियों को प्राण देने की कोशिश की, डॉक्टरों ने कई कमाल किए और भारत ने तुर्की अवाम के लिए भोजन-पानी के बंदोबस्त किए। बेशक तुर्किये एहसान न माने, लेकिन वह 'एहसान फरामोश' क्यों हुआ? भारत-पाक के हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान उसने पाकिस्तान का साथ दिया, 350 से अधिक ड्रोन सप्लाई किए, समुद्री जहाज तक भेजा और सैनिक भी उस संघर्ष का हिस्सा बने। चूंकि सैन्य कार्रवाई के दौरान तुर्किये के 2 'ड्रोन ऑपरेटर' मारे गए, लिहाजा तुर्की सैनिकों की मौजूदगी की पुष्टि होती है। तुर्किये ने पाकिस्तान के समर्थन में बयान भी दिए। आखिर तुर्किये भारत-विरोधी क्यों हुआ? बहरहाल भारत की राष्ट्रीय प्रतिक्रिया यह सामने आई है कि टूर-ट्रैवल कंपनियों, औद्योगिक संगठनों, विश्वविद्यालय और सामाजिक-राजनीतिक संगठनों ने तुर्किये पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' कर दी है। करीब 250 फीसदी टूर और बुकिंग रद्द करवा दी गई हैं। तुर्किये और अजरबैजान जाने वाले पर्यटकों की बुकिंग में 60 फीसदी गिरावट आई है। यह सिलसिला अभी जारी है। ट्रैवल कारोबार से जुड़ी कंपनियों का आकलन है कि करीब 5000 करोड़ रुपए का नुकसान तुर्किये को होगा। 2024 में 3.30 लाख से अधिक भारतीय पर्यटक तुर्किये गए थे और करीब 2.43 लाख सैलानी अजरबैजान घूमने गए थे। छोटी और सीमित अर्थव्यवस्थाओं के लिए पर्यटकों की ये संख्या कम नहीं है। सेब, संगमरमर और अन्य सामान आयात करना व्यापारियों ने खुद ही बंद कर दिया है। 2023-24 में तुर्किये को हमने 3885 वस्तुओं का निर्यात किया और 2482 वस्तुओं का आयात भी किया, लेकिन अब बहिष्कार करने और पाबंदी लगाने की मांगें हुंकारों की तरह बुलंद हैं। 2023-24 में भारत ने तुर्किये से करीब 821 करोड़ रुपए के सेब खरीदे थे। राजस्थान और महाराष्ट्र में सबसे अधिक संगमरमर, करीब 14 लाख टन, तुर्किये से ही आयात किया जाता है।

भारत और तुर्किये के बीच वित्त वर्ष 2024 में द्विपक्षीय व्यापार 10.4 अरब डॉलर का हुआ था। 2000-24 के दौरान तुर्किये ने 240.18 मिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भारत में किया है। गौरतलब यह है कि तुर्किये की कंपनी 'सेलेबी' भारत के 9 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग का काम कर रही हैं। यह बेहद संवेदनशील व्यवस्था है। क्या भारत सरकार उनकी सेवाएं निलंबित करने पर विचार करेगी? दरअसल भारतीय पर्यटकों ने तुर्किये और अजरबैजान की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ रुपए दिए। वहां नौकरियां बढ़ीं, होटल और विमानन क्षेत्र का विस्तार हुआ, भारत में कई परियोजनाओं के अनुबंध तय किए गए, तो तुर्किये की अर्थव्यवस्था ही बढ़ी। अब 'एहसान फरामोश' को दंडित करना ही चाहिए। भारत सरकार स्पष्ट करे कि वह देश के गुस्से और आक्रोश को कितना समर्थन दे रही है? वैसे तो चीन, तुर्किये, अजरबैजान ने भारत-पाक संघर्ष के दौरान दुश्मन का ही समर्थन किया और उसे सैन्य सहयोग भी दिया। भारत ने चीन के सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' और सरकारी न्यूज एजेंसी 'शिन्हुआ' के 'एक्स' अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है। तुर्किये की सरकारी प्रसारक कंपनी 'टीआरटी वर्ल्ड' को भी बंद कर दिया गया है। चीन पर इससे अधिक पाबंदियां नहीं लगाई जा सकतीं, क्योंकि उसके साथ व्यापार का आंकड़ा सर्वाधिक है। चीन के एयर डिफेंस सिस्टम को भारतीय वायुसेना ने 23 मिनट के लिए बिल्कुल जाम कर दिया था। उसी दौरान भारत ने अपना सैन्य मिशन पूरा किया। चीन की हथियारबंद मौजूदगी का इससे प्रामाणिक सबूत और क्या हो सकता है? बहरहाल तुर्किये ने इस्लामी देशों का 'खलीफा' बनने का मुगालता पाल रखा है, लिहाजा उसकी हेकड़ी तोडना बहुत जरूरी है। भारत बहिष्कार या अन्य सख्त विकल्प पर विचार करे। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, अफगानिस्तान, कतर सरीखे प्रमुख इस्लामी देशों ने 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई' में भारत का समर्थन किया है। तुर्किये को उसके 'गिरगिटी रंग' के लिए सजा जरूर दी जानी चाहिए।

गणि राजेन्द्र विजय का 51वां जन्म दिवस

गणि राजेन्द्र विजयः दांडी पकड़े गुजरात के उभरते हुए 'गांधी'

ललित गर्ग

प्राचीन समय से लेकर आधुनिक समय तक अनेकों संत-मनीषियों, धर्मगुरुओं, ऋषियों ने भी अपने मूल्यवान अवदानों से भारत की आध्यात्मिक परम्परा को समृद्ध किया है, इन महापुरुषों ने धर्म के क्षेत्र में अनेक क्रांतिकारी स्वर बुलंद किए। ऐसे ही विलक्षण एवं अलौकिक संतों में एक नाम है गणि राजेन्द्र विजयजी। वे आदिवासी जनजाति के होकर भी जैन संत हैं, और जैन संत होकर भी आदिवासी जनजीवन के मसीहा संतपुरुष हैं। वे आदिवासी जनजीवन का एक उजाला है, जो पिछले पांच दशक से गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में उनके उन्नयन एवं उत्थान के लिये संघर्षरत हैं। 19 मई 2025 को गणिजी अपने जीवन के 51वें बसंत में प्रवेश कर रहे हैं।

डॉ. गणि राजेन्द्र विजय एक ऐसा व्यक्तित्व है जो आध्यात्मिक विकास और नैतिक उत्थान के प्रयत्न में तपकर और अधिक निखरा है। वे आदिवासी जनजीवन में शिक्षा की योजनाओं को लेकर विशेष जागरूक हैं, इसके लिये सर्वसुविधयुक्त एकलव्य आवासीय मॉडल विद्यालय का निर्माण उनके प्रयत्नों से हुआ है, वहीं कन्या शिक्षा के लिये वे ब्राह्मी सुन्दरी कन्या छात्रावास का कुशलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। इसी आदिवासी अंचल में जहां जीवदया की दृष्टि से गौशाला का संचालित है तो चिकित्सा और सेवा के लिये चलयमान चिकित्सालय भी अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। आदिवासी किसानों को समृद्ध बनाने एवं उनके जीवन स्तर को उन्नत बनाने के लिये उन्होंने आदिवासी क्षेत्र में सुखी परिवार ग्रामोद्योग को स्थापित किया है। इनदिनों वे आदिवासी क्षेत्र में मेडिकल विश्वविद्यालय बनाने की योजना पर कार्यरत है। वे अखिल भारतीय सनातन संत समाज के संगठन में आदिवासी क्षेत्र के संतत्व का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे आदिवासी अधिकारों के लिये व्यापक संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें संगठित कर रहे हैं, उनका आत्म-सम्मान जगा रहे हैं। गणि राजेन्द्र विजयजी द्वारा संचालित प्रोजेक्ट एवं सेवा कार्यों की मोटी सूची में मानवीय संवेदना की सौंधी-सौंधी महक फूट रही है। लोग गांवों से शहरों की ओर पलायन रहे हैं, लेकिन गणि राजेन्द्र विजयजी की प्रेरणा से कुछ जीवट वाले व्यक्तित्व शहरों से गांवों की ओर जा रहे हैं। मूल को पकड़ रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे-'भारत की आत्मा गांवों में बसती है।' शहरीकरण के इस युग में इन्सान भूल गया है कि वह मूलतः आया कहां से है? जिस दिन उसे पता चलता है कि वह कहां से आया है तो वह लक्ष्मी मित्तल बनकर भी लंदन से आकर, करोड़ों की गाड़ी में बैठकर अपने गाँव की कच्ची गलियों में शांति महसूस करता है। स्कूल, हॉस्पीटल व रोजगार के केन्द्र स्थापित कर सुख का अनुभव करता है।

गणि राजेन्द्र विजयजी टेढ़े-मेढ़े, उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरते हुए, संकरी-पतली पगडंडियों पर चलकर सेवा भावना से भावित जब उन गरीब आदिवासी बस्तियों तक पहुंचते हैं तब उन्हें पता चलता है कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन जीने के मायने क्या-क्या हैं? कहीं भूख मिटाने के लिए दो जून की रोटी जुटाना सपना है, तो कहीं सर्दी, गर्मी और बरसात में सिर छुपाने के लिए झौपड़ी की जगह केवल नीली छतरी (आकाश) का घर उनका अपना है। कहीं दो औरतों के बीच बंटी हुई एक ही साड़ी से बारी-बारी तन ढ़क कर औरत अपनी लाज बचाती है तो कहीं बीमारी की हालत में इलाज न होने पर जिंदगी मौत की ओर सरकती जाती है। कहीं जवान विधवा के पास दो बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी तो है पर कमाई का साधन न होने से जिल्लत की जिंदगी जीने को मजबूर होती है, तो कहीं सिर पर मर्द का साया होते हुए भी शराब व दुर्व्यसनों के शिकारी पति से बेवजह पीटी जाती हैं इसलिए परिवार के भरण-पोषण के लिए मजबूरन सरकार के कानून को नजरंदाज करते हुए बाल श्रमिकों की संख्या चोरी छिपे बढ़ती ही जा रही है। कहीं कंठों में प्यास है पर पीने के लिए पानी नहीं, कहीं उपजाऊ खेत है पर बोने के लिए बीज नहीं, कहीं बच्चों में शिक्षा पाने की ललक है पर माँ-बाप के पास फीस के पैसे नहीं, कहीं प्रतिभा है पर उसके पनपने के लिए प्लेटफॉर्म नहीं।

कैसी विडंबना है कि ऐसे आदिवासी गांवों में न सरकारी सहायता पहुंच पाती है न मानवीय संवेदना। अक्सर गांवों में बच्चे दुर्घटनाओं के शिकार होते ही रहते हैं पर उनका जीना और मरना राम भरोसे रहता है, पुकार किससे करें? माना कि हम किसी के भाग्य में आमूलचूल परिवर्तन ला सकें, यह संभव नहीं। पर हमारी भावनाओं में सेवा व सहयोग की नमी हो और करुणा का रस हो तो निश्चित ही कुछ परिवर्तन घटित हो सकता है। लेकिन अब आदिवासी जन-जीवन की तस्वीर बदल रही है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके लिये अनेक योजनाओं को लेकर सक्रिय है। उनको गणि राजेन्द्र विजयजी जैसे परोपकारी एवं समाज-निर्माता संतों पर भरोसा है। तभी वे अक्सर सार्वजनिक मंचों एवं कार्यक्रमों में गणिजी को याद करते हैं। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में 4400 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए ऑनलाइन कांवट की आदिवासी महिलाओं से बात करते हुए गणि राजेन्द्र विजय को जिस स्नेह और आत्मीयता के साथ याद किया, वह दृश्य पूरे देश ने देखा और उनकी सेवाओं को महसूस किया। इसी तरह पूर्व लोकसभा चुनावी सभाओं में भी मोदी ने गणि राजेन्द्र विजयजी के द्वारा आदिवासी क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। मोदी द्वारा इस तरह से इस पुण्य पुरुष को याद करना हमें उनके गौरव और अस्तित्व का अहसास कराता है।

गणि राजेन्द्र विजयजी अपने इन्हीं व्यापक उपक्रमों की सफलता के लिये वे कठोर साधना करते हैं और अपने शरीर को तपाते हैं। अपनी पदयात्राओं में आदिवासी के साथ-साथ आम लोगों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार-निर्माण, नशा मुक्ति एवं रूढ़ि उन्मूलन की अलख जगा रहे हैं। इन यात्राओं का उद्देश्य है शिक्षा एवं पढ़ने की रूचि जागृत करने के साथ-साथ आदिवासी जनजीवन के मन में अहिंसा, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाना है। त्याग, साधना, सादगी, प्रबुद्धता एवं करुणा से ओतप्रोत आप आदिवासी जाति की अस्मिता की सुरक्षा के लिए तथा मानवीय मूल्यों को प्रतिष्ठापित करने के लिए सतत प्रयासरत हैं। मानो वे दांडी पकड़े गुजरात के उभरते हुए 'गांधी' हैं। इसी आदिवासी माटी में 19 मई, 1974 को एक आदिवासी परिवार में जन्में गणि राजेन्द्र विजयजी मात्र ग्यारह वर्ष की अवस्था में जैन मुनि बन गये। बीस से अधिक पुस्तकें लिखने वाले इस संत के भीतर एक ज्वाला है, जो कभी अश्लीलता के खिलाफ आन्दोलन करती हुए दिखती है, तो कभी जबरन धर्म परिवर्तन कराने वालों के प्रति मुखर हो जाती है। कभी जल, जमीन, जंगल के अस्तित्व के लिये मुखर हो जाती है। इस संत ने स्वस्थ एवं अहिंसक समाज निर्माण के लिये जिस तरह के प्रयत्न किये हैं, उनमें दिखावा नहीं है, प्रदर्शन नहीं है, प्रचार-प्रसार की भूख नहीं है, किसी सम्मान पाने की लालसा नहीं है, किन्हीं राजनेताओं को अपने मंचों पर बुलाकर अपने शक्ति के प्रदर्शन की अभीप्सा नहीं है। अपनी धून में यह संत आदर्श को स्थापित करने और आदिवासी समाज की शक्ल बदलने के लिये प्रयासरत है और इन प्रयासों के सुपरिणाम देखना हो तो कवांट, बलद, रंगपुर, बोडेली आदि-आदि आदिवासी क्षेत्रों में देखा जा सकता है। मेरी दृष्टि में गणि राजेन्द्र विजयजी के उपक्रम एवं प्रयास आदिवासी अंचल में एक रोशनी का अवतरण है, यह ऐसी रोशनी है जो हिंसा, आतंकवाद, नक्सलवाद, माओवाद जैसी समस्याओं का समाधान बन रही है।

शिक्षाः हमारी घातक प्रणालीगत विफलता

राकेश दुबे

यह देश के लिए कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश की युवा प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में तीन छात्रों की दुखद मौतें विचलित करने वाली हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था।

नीट परीक्षा से पूर्व छात्रों का मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता को ही उजागर करता है। विडंबना ये है कि परीक्षाओं के इस जोखिम को हम नजरअंदाज करते हैं। जो बताता है कि ये प्रतिभाएं किस हद तक शैक्षणिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी तथा अवास्तविक अपेक्षाओं के मिलने से बनी जानलेवा घातकता का शिकार हो रही हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है।

यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक संजाल बन जाते हैं।

निश्चित रूप से युवाओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन कोई भी प्रावधान तब तक कारगर साबित नहीं हो सकते जब तक कि कोचिंग संस्थानों की कारगुजारियों की नियमित निगरानी न की जाए। कोचिंग संस्थानों में नामांकन से पहले अनिवार्य परामर्श और योग्यता परीक्षण मददगार हो सकता है। यह विडंबना ही है कि वर्ष 2018 के दिशा-निर्देश, जिनका मकसद छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना और निजी संस्थानों को विनियमित करना था, वे आज अप्रासंगिक हो गए हैं। यह एक हकीकत है कि सख्त निगरानी के बिना नये कानून का भी प्रतीकात्मक बनने का जोखिम बना रहता है। युवाओं को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है।

वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। यदि वे एक परीक्षा या पाठ्यक्रम में सफल नहीं होते तो रोजगार के असंख्य विकल्प उनका इंतजार कर रहे होते हैं।

द्वि-राष्ट्रवाद के बाद से कई राष्ट्रों में बंटा पाकिस्तान

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

बलूचियों को यह भी लगता है कि पाकिस्तान ने अपने बदहाल आर्थिक तंत्र को दुरुस्त करने के लिए चीनियों को उनके इलाके में बुला लिया है। चीन ने 62 अरब डॉलर का भारी निवेश किया है और वह बलूचिस्तान में ग्वादर पोर्ट को संचालित करता है। चाइना-पाकिस्तान इकानॉमिक कॉरिडोर (सीपैक) के तहत इस बंदरगाह से चीन जहां दुनिया से जुड़कर अपना माल बेचने की राह आसान करता है।

लगता है कि पाकिस्तान का एक और हिस्सा उसके गले की फांस बनने जा रहा है। पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिफ़ मुनीर ने पिछले महीने ज़रूर कश्मीर को अपने गले की नस बताया था लेकिन सच्चाई यह है कि अब जिसने पाकिस्तान की नाक के नीचे विध्वंस मचा रखा है, वह उसी के देश का अपना हिस्सा बलूचिस्तान है। %ऑपरेशन सिंदूर% के बाद एक बलोच नेता मीर यार बलूच ने बलूचिस्तान को आज़ाद घोषित कर दिया है बाक़ायदा अपने एक झंडे और राष्ट्रगीत के साथ। बलूच जनजाति का संघर्ष यूं तो सदियों पुराना है लेकिन कुछ समय से यह सतह पर है जिसका जन्म पाकिस्तान बनते ही हो गया था। पाकिस्तान ने हमेशा इस संघर्ष को विद्रोह मानकर कुचलने की कोशिश की। देश का सबसे बड़ा और संसाधनों के हिसाब से बेहद समृद्ध हिस्सा होने के बावजूद बलूचिस्तान को कोई तवज्जो नहीं मिली।

बलूचियों को यह भी लगता है कि पाकिस्तान ने अपने बदहाल आर्थिक तंत्र को दुरुस्त करने के लिए चीनियों को उनके इलाके में बुला लिया है। चीन ने 62 अरब डॉलर का भारी निवेश किया है और वह बलूचिस्तान में ग्वादर पोर्ट को संचालित करता है। चाइना-पाकिस्तान इकानॉमिक कॉरिडोर (सीपैक) के तहत इस बंदरगाह से चीन जहां दुनिया से जुड़कर अपना माल बेचने की राह आसान करता है, वहीं बलूची मानते हैं कि यह उनकी आज़ादी में दख़ल है और उनकी ज़मीन पर कब्ज़े की साज़िश है। चीन का विस्तारवादी अतीत भी उन्हें ऐसा सोचने पर मजबूर करता है। बलूचिस्तान न केवल पाकिस्तान का सबसे बड़ा राज्य है बल्कि प्राकृतिक गैस, सोना, तांबा, रेडियम जैसे कई महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार भी वहां हैं। पहले-पहल सिंगापुर की एक कंपनी इसका संचालन कर रही थी, फिर चीन ने इसे अपने ही देश की कंपनी को दे दिया। चीन यहां काम करते रहने के लिए अपनी सेना रखना चाहता है क्योंकि छह महीने पहले उसके पांच इंजीनियर यहां मारे जा चुके हैं।

पाकिस्तान के ख्यातिनाम पत्रकार हामिद मीर के लफ़्ज़ों में लिखी यह कहानी बताती है कि पाकिस्तानी शासक किस कदर बलूचियों के प्रति क्रूर रहे हैं। वे लिखते हैं-%यह सिर्फ एक लड़की की कहानी नहीं है, बल्कि बलूचिस्तान की हजारों माताओं, बेटियों, बहनों और पत्नियों की कहानी है। सामी दीन को तब से जानता हूं, जब वह सिर्फ 10 साल की थी। उसके पिता डॉ. दीन मोहम्मद बलूच बलूचिस्तान के खुजदार जिले के ओरनाच में एक सरकारी अस्पताल में डॉक्टर थे। 28 जून 2009 को उन्हें पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूच अलगाववादियों के साथ संबंध होने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया। लेकिन उन्हें कभी किसी अदालत में पेश नहीं किया गया। उनकी पत्नी और स्कूल जाने वाली दो बेटियों ने अदालत में याचिका दायर की, लेकिन उन्हें कभी न्याय नहीं मिला। एक दिन 10 साल की सामी अपने पिता के लिए आवाज उठाने इस्लामाबाद आई। मैंने उसे प्रेस क्लब के सामने देखा। उसके हाथ में अपने पिता की तस्वीर थी। वह बलूचिस्तान के अन्य लापता लोगों के परिवारों के साथ बैठी थी। सामी की बस यही मांग थी कि अगर उसके पिता किसी अवैध गतिविधि में शामिल हैं, तो उन्हें अदालत में पेश किया जाए, वरना रिहा किया जाए।

किसान कार्यकर्ता, जिसने उम्मीद के बीज बोए

– बाबा मायाराम

महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर-तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है।

मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के एक किसान ने बरसों से परती पड़ी जमीन को न केवल उपजाऊ बना लिया है बल्कि उसमें पेड़ लगाकर उसे हरा-भरा भी कर लिया है। तालाब बनाकर बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा है। लेकिन यह किसान सिर्फ खुद ही पौष्टिक अनाज की खेती नहीं करते, बल्कि एक संस्था से जुड़कर आदिवासियों को भी जैविक खेती के तौर-तरीके सिखा रहे हैं। यह कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह पूरी तरह जैविक है, श्रम आधारित है, और कम लागत वाली है, जो इस समय की जरूरत है। आज इस कॉलम में एक किसान कार्यकर्ता की लगन, जिद और मेहनत की कहानी बताना चाहूंगा, जिससे बिना रासायनिक खेती की बारीकियां समझी जा सकें।

अनूपपुर से मात्र 10 किलोमीटर दूर है जमूड़ी गांव, और यहीं है महेश शर्मा के परिवार की जमीन। कुछ समय पहले इस खेती को देखने के लिए मैं जमूड़ी गया। लम्बे अरसे से जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर महेश शर्मा काम कर रहे हैं। पहले वे छत्तीसगढ़ में खेती का काम कर रहे थे, जहां बिलासपुर जिले में जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का कार्यक्षेत्र है। जब संस्था के कार्यक्षेत्र का विस्तार मध्यप्रदेश में भी हुआ, तब यहां भी खेती कार्यक्रम शुरू हो गया। वैसे तो यह संस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करती है, पर संस्था का मानना है कि सिर्फ बीमारी का इलाज ही नहीं, उसकी रोकथाम भी जरूरी है। इसके लिए जैविक तरीके से पौष्टिक अनाजों व सब्जी बाड़ी की खेती पर जोर दिया जा रहा है, जिससे लोगों को पोषणयुक्त भोजन मिले और उनका स्वास्थ्य बेहतर हो। इसी के मद्देनजर अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ प्रखंड में आदिवासियों के बीच पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है।

जैविक खेती करने वाले महेश शर्मा ने बताया कि उनके परिवार की जमूड़ी गांव में 5 एकड़ जमीन है। इस जमीन पर उन्होंने 5 साल पहले खेती शुरू करना शुरु किया। इसके पहले यह जमीन बंजर पड़ी थी। लेकिन बहुत ही कम समय में उन्होंने इस जमीन को उपजाऊ बना लिया है। और वह भी पूरी तरह जैविक तौर-तरीके अपनाकर। सबसे पहले मल्चिंग की, यानी हरी खाद से भूमि का ढकाव, जिससे जमीन उपजाऊ हुई, हवादार, पोली और भुरभुरी हुई। और फिर इसमें कई तरह के फलदार पेड़ भी रोपे।

वे आगे बतलाते हैं कि खेत में हरी सब्जियां व मसाले भी उगाते हैं। मड़िया, अरहर, तिल्ली, मूंगफली, अमाड़ी और धान इत्यादि भी लगाते हैं। उनके खेत में सब्जियों में लौकी, करेला, सेमी, बरबटी, भिंडी, बैंगन इत्यादि की खेती अच्छी होती है। उन्होंने अब घर के लिए सब्जियां व मसाले खरीदना बंद कर दिया है। राजगिरा, मिर्च, मैथी, धनिया, प्याज, आलू, टमाटर इत्यादि की फसलें होती हैं। और इन सबसे उनकी घर के खाने की जरूरतें पूरी हो जाती हैं। अतिरिक्त होने पर बेचते भी हैं। हल्दी और मडिया की बिक्री किसान मेलों में हो जाती है। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था मडिया के बिस्कुट भी बनाती है।

उन्होंने बताया कि खेतों की मेड़ों में बड़ी संख्या में फलदार पेड़ भी लगाए हैं। अगर पेड़ होते हैं तो पक्षी आते हैं, और ये पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं। यहां अमरूद के 45 पेड़, नींबू के 4, आम के 11, सीताफल के 8, केले के 40, अनार के 5, महुआ के 15, पपीता के 12, और करौंदे के 20 पेड़ लगाए हैं। सेमरा के 100 से ज्यादा पेड़ लगाकर खेत की बागुड़ कर दी है।

वे आगे बताते हैं कि महुआ फूल की बिक्री से ही उन्हें इस वर्ष 20 हजार रूपए मिले, जिससे उन्होंने देसी गोबर खाद खरीदा, और पूरी जुताई व बुआई करवाई। इस सबमें लगभग

15 हजार की राशि खर्च हुई। धान की खेती बिना रासायनिक खाद व बिना कीटनाशक के की है। यानी महुआ फूल बेचकर जो राशि मिली, उसी में पूरी खेती की लागत निकल गई।

उनके पास दो कुआं हैं, दोनों ही सूख चुके थे, लेकिन जब तालाब बनाया तो दोनों ही कुएं फिर से पानीदार हो गए। अनूपपुर जिले की सीमा से छत्तीसगढ़ राज्य लगा हुआ है, जहां की तालाब संस्कृति प्रसिद्ध है। वहां एक गांव में कई तालाब होते हैं। महेश शर्मा इस संस्कृति से भलीभांति परिचित हैं, और इसलिए उन्होंने खेत का पानी खेत में रोकने का जतन किया। तालाब बनाकर बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा है।

वे बतलाते हैं कि जो पेड़ लगाए थे, वे अब फल देने लगे हैं। करौंदा में पहली बार फल आ गए हैं। अमरूद और पपीता फलने लगे हैं। खेत में बाजरा के भुट्टे लहरा रहे हैं। कुदरती तौर पर होनेवाली गूजा की हरी पत्तीदार साग हुई है।

महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर-तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है, जहां कई तरह के देसी अनाजों के बीजों का संग्रह है। विशेषकर, देसी धान की कई किस्में उनके बीज बैंक में हैं। इसके अलावा, जैविक खेती के तौर-तरीकों का प्रशिक्षण भी देते हैं।

जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के डॉ. पंकज तिवारी बतलाते हैं कि पुष्पराजगढ़ प्रखंड काफी पिछड़ा है और आदिवासी बहुल है। इस क्षेत्र के लोग ज्यादातर मजदूरी और खेती करके जीवनयापन करते हैं। यहां बच्चों में कुपोषण देखा जाता है। इसे दूर करने के लिए संस्था की ओर से 3 साल तक के छोटे बच्चों के लिए झूलाघर की तरह फुलवारी संचालित की जाती हैं। इन फुलवारियों में हरी सब्जियां उगाई जाती हैं, जो बच्चों को दिए जाने वाले भोजन में शामिल की जाती हैं। इसके अलावा, किसानों को पौष्टिक अनाज की खेती करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस साल 85 किसानों ने जैविक खेती की है। इसके अलावा, इन्हीं किसानों के साथ मशरूम की खेती भी की जा रही है।

वे आगे बताते हैं कि सब्जी बाड़ी में लौकी, भिंडी, कद्दू, करेला, भटा और मिर्ची उगाई जाती है। अक्टूबर से फरवरी तक सब्जी बाड़ी से हरी सब्जियां मिलती हैं। सब्जी बाड़ी में अलग से पानी देने की जरूरत भी नहीं है। फुलवारी में बच्चों को जो हाथ धुलाने के लिए जो पानी इस्तेमाल होता है, उसी से सब्जी बाड़ी को पानी मिल जाता है।

महेश शर्मा ने बताया कि महिला किसानों ने भी मडिया की खेती की है। उपरीकला की फुलवारी कार्यकर्ता लीलाबाई, प्यारी गांव की फुलवारी कार्यकर्ता कौशल्याबाई जैसी कई किसानों ने मडिया की खेती की है।

कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है महेश शर्मा व जन स्वास्थ्य सहयोग की पहल से देसी बीजों के साथ पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है। इस खेती में खर्च न के बराबर है। न रासायनिक खाद की जरूरत और न ही कीटनाशक की। यह खेती पूरी तरह जैविक है। वृक्ष खेती यानी पेडों से जैव खाद मिलती है, पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं। खेत का पानी खेत में रोककर तालाब में बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा जा रहा है। इसमें भूजल उलीचने के लिए किसी भी प्रकार की बिजली, डीजल की जरूरत नहीं है।

इसके अलावा, आदिवासी किसानों को भी खेती के तौर-तरीके सिखाएं जा रहे हैं। विशेषकर, महिला किसानों को इससे जोड़ा जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। लुप्त हो रहे देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन भी हो रहा है। मडिया व मशरूम की खेती की जा रही है। इससे लोगों की सेहत में सुधार हो रहा है और कुछ आमदनी भी बढ़ रही है। जलवायु बदलाव के इस दौर में पेड़ों के साथ पौष्टिक अनाज व बिना मशीनीकरण के खेती का महत्व और भी बढ़ जाता है, जिससे जैव विविधता व पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। कुल मिलाकर, यह पूरी पहल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

ये नियम रहे तो कृषकों को बहुत अधिक क्षति होगी

हरदा। भोपाल हरदा जिले के कृषकों द्वारा ग्रीष्म वर्ष 2023-2024 में मूँग बीज का उर्पाजन बीज निगम केन्द्र हरदा पर किया गया है। बीज निगम द्वारा केवल 7500/- प्रति क्विंटल पर उर्पाजन घोषित किया गया है, जबकि अन्य सहकारी संस्था राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा कृषकों को राशि 9800/- क्विंटल का उर्पाजन दर घोषित किया गया है। ऐसे में कृषकों को बहुत अधिक क्षति होगी, जिसका भरपाई कृषक जीवन भर नही कर पायेगे।उपरोक्त समस्याओं के संबंध में बीज निगम से कृषि विभाग के समस्त अधिकारियों से चर्चा हो चुकी है। परन्तु आज तक कोई ठोस कार्यवाही नही हो सकी है।उपरोक्त स्थिति को देखते हुए कृषक हित में मूँग का उर्पाजन दर राष्ट्रीय बीज निगम ने घोषित दर अनुसार राशि 9800/- प्रति क्विंटल उर्पाजन दर दिया जाना उचित रहेगा।

इस शहर में चलेगी केबल कार, इन 13 जगहों को जोड़ेंगे ग्रीन और ब्लैक लाइन रूट

इंदौर। इंदौर शहर पर्यटन और यातायात के क्षेत्र में नया इतिहास रचने को तैयार है। आपको बता दें कि इंदौर में 13 प्रमुख स्थानों को जोड़ने के लिए केबल कार सेवा शुरू करने की योजना है। यह परियोजना ग्रीन लाइन और ब्लैक लाइन के दो रूटों के जरिए शहर की सैर को रोमांचक बनाएगी। आइए, इन रूटों और इस योजना की खासियतों पर नजर डालें।

ग्रीन लाइन की लंबाई 6.24 किलोमीटर होगी और यह इंदौर के हृदय को जोड़ेगी। इसका रूट है- चंदन नगर चौराहा, लाबरिया भेरू चौराहा, मालगंज चौराहा, यशवंत रोड गुरुद्वारा, जवाहर मार्ग चौराहा, सरवटे बस स्टैंड, एमवाय अस्पताल, और शिवाजी वाटिका चौराहा। यह रूट शहर के व्यस्त बाजारों और ऐतिहासिक स्थानों को कवर करेगा, जिससे पर्यटक और स्थानीय लोग आसानी से इन जगहों तक पहुंच सकेंगे।

ब्लैक लाइन की लंबाई 6.83 किलोमीटर होगी, जो शहर के प्रमुख व्यापारिक और आवासीय इलाकों को जोड़ेगी। इसका रूट है- इंदौर रेलवे स्टेशन, मालवा मिल, पाटनीपुरा चौराहा, भमोरी चौराहा, और विजय नगर चौराहा। यह रूट रेलवे स्टेशन से शुरू होकर विजय नगर जैसे आधुनिक इलाकों तक जाएगा, जिससे यातायात का दबाव कम होगा और पर्यटकों को शहर का नया चेहरा देखने का मौका मिलेगा।

पर्यटन और व्यापार को नया आयाम

इंदौर, जो अपनी साफ-सफाई और स्वादिष्ट खानपान के लिए मशहूर है, इस केबल कार सेवा से पर्यटन में नया रंग भरेगा। ग्रीन लाइन पर सरवटे बस स्टैंड और मालगंज जैसे इलाके स्थानीय व्यापारियों के लिए फायदेमंद होंगे, जबकि ब्लैक लाइन का विजय नगर रूट शॉपिंग और मनोरंजन के शौकीनों को आकर्षित करेगा। यह सेवा पर्यटकों को राजवाड़ा, सराफा, और खजराना मंदिर जैसे स्थानों की सैर ऊंचाई से कराएगी।

ठेकेदार के कर्मचारी पर गांव अवैध शराब बेचने का आरोप विरोध करने पर सरपंच को मिली धमकी

सांध्य प्रकाश बैतूल। पाढर चौकी में शराब ठेकेदार के कर्मचारियों के खिलाफ अब गांव-गांव गाड़ी घुमा-घुमा कर अवैध शराब बेचने का आरोप लगाया गया हैं। बल्कि इस मामले में पाढर चौकी में सरपंच संजू आहके द्वारा शिकायत की गई है। मामला पीसाझोड़ी गांव का आया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि यहां शराब की दुकान से गाड़ी भर-भर कर शराब आसपास के गांवों में सप्लाई की जा रही है। ग्रामीण महिलाएं बच्चे और बुजुर्ग इस अवैध धंधे से परेशान हैं। रेवाराम ने बताया कि गांव नीमपानी सरपंच संजू आहाके ने जब ठेकेदार की गाड़ी को रोकने की कोशिश की तो ठेकेदार का बेटा शराब से भरी गाड़ी लेकर भाग गया। सरपंच ने गाड़ी का पीछा किया और खुशी होटल पाढर के पास रोक लिया गया। लेकिन ठेकेदार के सुपुत्र ने सरेआम सरपंच संजू आहाके की कालर पकड़ लिया बल्कि जान से मारने की धमकी देने लगा। जिसके बाद नीमपानी सरपंच संजू आहके, जनपद सदस्य और अन्य समाज सेवी पाढर चौकी पहुंचकर चौकी प्रभारी को शिकायत आवेदन सौंपा। उन्होंने मांग की है कि शराब की इस अवैध सप्लाई बंद होना चाहिये और सरपंच के साथ बदसलूकी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यदि प्रशासन कार्यवाही नही करेगा तो जब शराब की गाड़ी गांव मे प्रवेश करेगी तो ग्रामीण स्वयं ही कार्यवाही करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से प्रशासन की होगी। शिकायतकर्ता रेवाराम उइके जनपद सदस्य नीमपानी द्वारा दी गई है।

खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित समर कैंप में वॉलीबॉल खेलते बच्चे

दमोह मध्य प्रदेश शासन एवं खेल युवा कल्याण विभाग के अधिकारी के मार्गदर्शन में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर वर्ष 2025 विकासखंड तेंदूखेड़ा में दो खेलों का आयोजन किया जा रहा है बालक एवं बालिका वर्ग में कराते गणेश बंसल प्रशिक्षक बच्चों को आत्मरक्षा स्वयं की रक्षा कैसे करें उसके बारीकियां सिखाते हुए वहीं तेजगढ़ ग्राम पंचायत में सोहेब गौरी पठान द्वारा बालक एवं बालिकाओं को वॉलीबॉल खेल को सिखाते हुए जिसकी जानकारी विकासखंड प्रभारी शैलेंद्र कुमार चौधरी ने जानकारी दी गई यह समर कैम्प 1 मई से शुरू किया गया था जिसका समापन 30 मई के आस पास किया जाएगा.

रॉयल कॉलेज के बीसीए एवं बी.कॉम. का विक्रम विवि परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

रतलाम। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा बी.सी.ए. एवं बी.कॉम तृतीय वर्ष 2025 का मुख्य परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। घोषित परीक्षा परिणाम में रॉयल कॉलेज के बी.सी.ए. तृतीय वर्ष एवं बी.कॉम तृतीय वर्ष का उत्तीर्ण परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

रॉयल कॉलेज की कम्प्यूटर साईंस विभागाध्यक्ष प्रो. दीपिका कुमावत ने बताया कि, बी.सी.ए. तृतीय वर्ष की खुशी पंवार पिता अजय पंवार ने 85.50 प्रतिशत अंक अर्जित कर, कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार देवाशीष खण्डेलवाल पिता अशोक कुमार खण्डेलवाल ने 83.50 प्रतिशत तथा प्राची सुतार पिता मुकेश सुतार ने 83.30 प्रतिशत अंक अर्जित कर क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। बी.सी.ए. तृतीय वर्ष के इस घोषित परीक्षा परिणाम में रॉयल कॉलेज की पूरी कक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है।

रॉयल कॉलेज के कामर्स विभागाध्यक्ष डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि, बी.काम. तृतीय वर्ष की कोमल पाटीदार पिता भरतलाल पाटीदार ने 79.70 प्रतिशत अंक प्राप्त कर, कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रियंका राठोड पिता समरथ राठोड ने 77.70 प्रतिशत तथा रिषभ जाट पिता दिनेश जाट ने 76.50 प्रतिशत अंक अर्जित कर, क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। बी.कॉम. तृतीय वर्ष के इस घोषित परीक्षा परिणाम में रॉयल कॉलेज की पूरी कक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है।

रॉयल कॉलेज के उत्कृष्ट परीक्षा

बैरसिया लोकसेवा केंद्र की अव्यवस्थाएं उजागर

तहसीलदार करुणा दंडोतिया द्वारा निरीक्षण, प्रभारी को फटकार

बैरसिया। बैरसिया इन दिनों बैरसिया में लोक सेवा केंद्र चर्चाओं का विषय बना हुआ है लगातार मिल रही शिकायतों के बाद तहसीलदार बैरसिया करुणा दंडोतिया ने लोक सेवा केंद्र बैरसिया का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में व्यवस्थाओं का जायजा लिया, आवेदकों से चर्चा की, और बुनियादी सुविधाओं व रिकॉर्ड की जांच की। तहसीलदार के अनुसार, यह निरीक्षण संतोषजनक नहीं था, और आवेदकों ने भी लोक सेवा केंद्र की सेवाओं से असंतुष्ट होने की बात कही।

तहसीलदार ने पाया कि लोक सेवा केंद्र में व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित नहीं हैं और आवेदकों को तत्परता से सेवाएँ नहीं मिल पा रही हैं। कई आवेदकों ने आय प्रमाण पत्र,जाति प्रमाणपत्र, ई डब्लू एस,आधार अपडेट, प्रमाणित नकल के दस्तावेज लेने के लिए आवेदन किया था, जोकि उन्हें लोकसेवा के तहत जारी दिनांक तक भी नहीं मिल पाए थे, तहसील कार्यालय के नकल शाखा प्रभारी समय से नकल नहीं भेजते इसलिए आवेदकों को होती है परेशानी जिससे वह आवेदक खुश नहीं थे। तहसील के लोक सेवा केंद्र के आधार कार्ड अपडेट करने को लेकर भी

अवैध वसूली की बात सामने आई है।

लोक सेवा केंद्र की सेवाओं को आवेदकों द्वारा लचर व धीमा बताया और वे इसके सुव्यवस्थित कामकाज और त्वरित सेवा के लिए तहसीलदार से शिकायत करते दिखे। आवेदकों को नकल लेने, तहसील कार्यालय मैं नकल शाखा के बाबू के पास हाजिरी लगाना पड़ रहा है। और मजेदार बात यह है कि शुक्रवार को जब तहसीलदार निरीक्षण पर पहुंची और जो समय सीमा में आवेदकों को नकल प्राप्त होनी थी लेकिन एक भी नकल तहसील कार्यालय से लोक सेवा केन्द्र नहीं पहुंची निरीक्षण के दौरान यह देखकर बैरसिया तहसीलदार भड़क गई। नकल शाखा प्रभारी को जोरदार फटकार लगाई एवं व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। लोक सेवा केंद्र में पूछताछ काउंटर ,महिला एवं दिव्यांग काउंटर भी प्रथक नहीं बनाये गए हैं ,भीषण गर्मी में भी पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है शौचालय में साफ सफाई न होने से खासी परेशानी हो रही है। तहसीलदार द्वारा केंद्र की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए निर्देश दिए लापरवाही बरतने पर शख्त कार्यवाही करने की चेतावनी दी।

अखिलेश सिंह घोषी बने भाजपा दीनदयाल मंडल के मीडिया प्रभारी

दमोह - भारतीय जनता पार्टी जिला दमोह के जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे की

सहमति से दीनदयाल नगर मंडल के अध्यक्ष राजेन्द्र चौरसिया ने मंडल कार्यकारणी की घोषणा कि जिसमें मंडल मीडिया प्रभारी का दायित्व ठाकुर अखिलेश सिंह घोषी को दिया गया।

अखिलेश सिंह घोषी के मंडल मीडिया प्रभारी बनने पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, जिला महामंत्री सतीश तिवारी, गोपाल पटेल, रामेश्वर चौधरी, जिला उपाध्यक्ष संजय सेन, अमित बजाज, अरूण तिवारी, बृज गर्ग, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र सिंह परिहार, प्रमोद विश्वकर्मा, भरत यादव, प्रिंस जैन, दिलेश चौधरी, अरूण सोनी, विकास ठाकुर, नीलेश चौरसिया, बृजेन्द्र अहिरवार, अभिषेक सोनी, संदीप शर्मा, दीपक मिश्रा, रिंकू गोस्वामी, राजुल चौरहा, राकेश लोधी, शिवम गुप्ता, किस्सू खरे, सैफ पठान, मयंक वाधवा, मोंटी रैकवार, डीके रोहित सहित पदाधिकारियों, मित्रों और शुभचिन्तको ने अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी.

मुबारिक शैरानी मंडल उपाध्यक्ष नियक्त

रतलाम । भाजपा कुशाभाऊ ठाकरे मंडल उपाध्यक्ष मुबारिक शैरानी की नियुक्त होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अंजुमन सदर इब्राहिम शैरनी, मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष अमजद लाला, मोर्चा जिला अध्यक्ष मंसूर

जमादार, वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष बबलू पटेल, हज कमेटी जिला अध्यक्ष हाजी फैयाज खान, मोर्चा जिला महामंत्री प्रोफेसर इमरान हुसैन, इमरान मेव, पार्षद शबाना खान,सलीम मेव, शब्बीर रही, हारून लाला, प्रभु सोलंकी नासिर शाह,सलीम कुरैशी, शेख अजहरुद्दीन, रशिद आलम,मरियम मंसूरी,शाहिद अंसारी, मेहमुद सेठ, रियाज पासपोर्ट, इरफान कुरैशी, रफीक मेव,इस्माइल चाचा,रसीद शैरानी, आसिफ अंसारी, सोहेल शाह,सोयु शैरानी शेरु पठान, सलीम सदर कुरैशी,अफजाल शैरानी, सलामत शाह, साजिद अंसारी, जाकिर शाह, अनवाज अली, अख्तर खान, जहीर खान, सरफराज खान,जुनैद शैरानी, सरफराज शाह, फैजान पठान, अब्दुल शैरानी, इमरान अब्दुलहक मामू, प्रदीप सोलंकी, कैलाश मकवाना, किशोर राठौर, मंसूर अब्बासी सत्तार,खान,आदि ने बधाई देते हुए कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप,भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, महापौर पहलाद पटेल, जिला महामंत्री निर्मल कटारिया,मंडल अध्यक्ष आदित्य डागा, वरिष्ठ नेता मनोहर पोरवाल, पूर्व महापौर शैलेंद्र डागा, आदि का आभार व्यक्त किया

स्कूल में हुए घोटाले की शिकायत को लेकर जिलाधीश को दिया आवेदन पत्र

विदिशा जिला कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी के नाम ग्रामीण वासियों द्वारा आवेदन पत्र सौंपकर पूर्व प्रभारी प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं आवेदन पत्र में उल्लेख है कि सिरोंज विकास खंड अंतर्गत आने वाले शासकीय हाईस्कूल कस्बाताल में 3 माह पूर्व हुए फर्जी हस्ताक्षर से स्स्ष्ठष्ट खाते से 72 हजार रुपए एवं शाला के स्थानीय मद से 1 लाख 27 हजार रुपए कुल मिलाकर एक वर्ष में 1 लाख 99 हजार रुपए के फर्जी बिल बाऊचर लगाकर प्रभारी प्राचार्य जगदीश साहू द्वारा शासकीय राशि का दुरुपयोग किया गया जबकि शासन द्वारा उक्त राशि शाला भवन के कायाकल्प द्वारा प्रदाय की जाती है जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों का कायाकल्प हो सके जिसे, लेकिन कभी कभी संकुल प्राचार्य जैसे जिम्मेदार पद पर ऐसे कर्मचारी नियुक्त कर दिए जाते है जो शासन का पैसा अपने निजी कार्यों में लगाकर बिल बाऊचर शासकीय कार्य के लगा देते है ऐसा ही एक मामला कस्बाताल के प्रभारी जगदीश साहू द्वारा किया गया एक ही वर्ष में 1 लाख 99 हजार रुपए खर्च कर दिए लेकिन स्कूल भवन की पुताई तक का कार्य इनके द्वारा 2 साल से नहीं कराया गया इस बात को बीते लगभग 3 माह हो चुके है और जिम्मेदार अधिकारी ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों को बचाने की जुगत में है आखिर कब तक शासन के पैसे का दुरुपयोग होता रहेगा क्या ऐसे कामचोरी के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारी कोई कठोर कार्यवाही करेंगे या सिर्फ हर बार की तरह कागजी लीपापोती ही होकर रह जाएगी इसी बात को जब मीडिया के माध्यम से उजागर किया गया तब कुछ जागरूक ग्रामीण जनों द्वारा इस बात की सत्यता के लिए और शासकीय राशि का दुरुपयोग के करने वाले प्रभारी प्राचार्य जगदीश साहू की लिखित रूप से शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी विदिशा एवं जिलाधीश अधिकारी विदिशा को की गई शिकायत में उपरोक्त राशि से क्रय की गई सामग्री एवं निर्माण संबधी कार्य की निष्पक्ष जांच एवं भौतिक सत्यापन करने संबधी आवेदन दिया गया है।

मंडीदीप में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा , वीर जवानों का हुआ सम्मान

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)। सुरेश केवट – देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार संपूर्ण प्रदेश में तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में भोजपुर विधानसभा के विधायक सुरेंद्र पटवा के नेतृत्व में मंडीदीप शहर में एक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा विजय मार्केट से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई मुख्य नगर पालिका ग्राउंड में समापन पर पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूल के बच्चे, खिलाड़ी, और स्थानीय नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर ÷जय जवान, भारत माता की जय÷ जैसे राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ शामिल हुए। समापन स्थल पर भारत माता की आरती की गई और मंच पर उपस्थित सेवानिवृत्त सैनिकों को सम्मानित किया गया। इनमें करण बाबू शर्मा, रविंद्र श्रीवास्तव, सुरेश बैरागी, और योगेश वर्मा जैसे वीर सपूत शामिल थे, जिन्होंने सरहद पर देश की रक्षा की है। इनका सम्मान विधायक सुरेंद्र पटवा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल और पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने तिलक, साल और श्रीफल भेंट कर किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर पूर्व नपा अध्यक्ष विपिन भार्गव, बद्री सिंह चौहान, पूर्णिमा जैन, अरविंद जैन, भाजपा नेता हेमराज मीणा मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष महेंद्र मैथिल, सुशील शर्मा, मुस्लिम भाजपा नेता बिट्टू पठान, विशाल मारण, भूपेंद्र नागर, प्रार्थना चौहान, पूजा मिश्रा, डीके शर्मा समेत कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।प्रशासन ने भी इस आयोजन में अहम भूमिका निभाई। मौके पर एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव, तहसीलदार हेमंत शर्मा, पटवारी भगवान दास चौहान, सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी, मंडीदीप थाना प्रभारी और पुलिस बल एवं नगर पालिका के कर्मचारी पूरी तत्परता के साथ मौजूद रहे।

फॉरेस्ट ने दी वन क्षेत्र में कार्य करने की अनुमति टाइगर कॉरिडोर में जेसीबी से उत्खनन की नहीं मिलती अनुमति : प्रबंधक जैन

सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता बैतूल। घोड़ाडोंगरी सतपुड़ा मेलघाट टाइगर कॉरिडोर में निर्माण की जा रही प्रधान मंत्री सड़क के उत्खनन संबधित खबर प्रकासन के बाद वन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए जांच शुरू कर दी। जिसमें कहा जा रहा है। कि उत्खनन रोड में ही किया गया है। रोड क्षेत्र के बाहर नहीं है। जिससे यह जांच शंकाप्रद है। क्योंकि मौके पर पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। अब सवाल है। कि क्या यह पेड़ अब रोड में लगने लगे है। वन विभाग की जांच ने मामले को गंभीर किया है। क्योंकि अर्जुन गोंदी सतपुड़ा मेलघाट टाइगर कॉरिडोर का क्रिटिकल कॉरिडोर बताया जा रहा है। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (हृञ्जष्ट) के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह क्षेत्र बाघों के विचरण के लिए अति संवेदनशील क्षेत्र है। और इन्हीं क्षेत्रों में रोड निर्माण कंपनी जेसीबी से उत्खनन कर रही है। जिससे पेड़ों की जड़ों को भी क्षति पहुंचाते हुए देखा जा रहा है। ऐसा प्रतीत हो रहा है। कि नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (हृञ्जष्ट) से अनुमति प्राप्त किए बिना ही इस कॉरिडोर में रोड निर्माण की अनुमति दी गई है। अन्यथा इस तरह का निर्माण एवं जेसीबी से उत्खनन नहीं होता। बताया जा रहा है। कि (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी) की अनुमति प्राप्त नहीं होने के कारण हृ्रद्ध की फोर लाइन नेशनल हाईवे 69 के निर्माण पर हाई कोर्ट से रोक लगी है। जो हृञ्जष्ट के मौका निरीक्षण के बाद कुछ निर्माण के नियमो की शर्तों पर हट जाएगी। पर ऐसे ही क्षेत्र में दूसरी तरफ प्रधानमंत्री सड़क निर्माण कर रही कंपनी वनों को क्षति पहुंचाते हुए नज़र आ रही है। जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। और कयास लगाए जा रहे है। स्थानीय स्तर पर कार्यवाही नहीं होने का कारण भी हृञ्जष्ट (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी) को ही माना जा रहा है। क्योंकि करवाई होती है। तो हृञ्जष्ट (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी) को संपूर्ण प्रकरण की जानकारी देना होगा। जिस पर ठेकेदार समेत स्थानीय वन अधिकारियों की जवाबदेही भी हृञ्जष्ट द्वारा तय की जाएगी।

इनका कहना...

वन क्षेत्र में कार्य करने की परमिशन फॉरेस्ट ने दी है। भारत सरकार की योजनाएं रहती हैं। प्रधानमंत्री सड़क में दिल्ली से परमिशन मिल जाती है।

राजेश जैन, जिला प्रबंधक प्रधानमंत्री सड़क योजना बैतुल

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ग्राम सड़क उन्नयन की परमिशन लेते हैं। रोड की लंबाई चौड़ाई के अंतर्गत ही उन्नयन का कार्य करते है। अगर कोई परमिशन होगी तो चेक करवालेंगे। बल्कि रोड पर ही उत्खनन कर रहे थे।

नवीन गर्ग
वन मंडल अधिकारी उत्तर सामान्य बैतूल

सेना के सम्मान में आयोजित तिरंगा यात्रा में देश भक्तों का दिखा कारवां

मण्डला। नगर के लालीपुर चौराहा से भव्य आर्कषक तिरंगा यात्रा निकाली गई सेना के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा में हजारों लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए जमकर जय भारत माता जय हिंद के नारे लगाये महिला पुरूष और बच्चे तिंरगा हाथ में लेकर यात्रा में शामिल हुए।भारत माता का चलचित्र रथ में सवार दिखा इसी के साथ अन्य झांकियों ने लोंगों का मन मोह लिया।स्काउट गाईड के बच्चों ने अनुशासन तरीके से क्रमबद्ध दिखे वहीं सीआरपीएफ 148 जवान भी तिरंगा यात्रा में शामिल रहे।तिंरगा यात्रा का नगर के अनेक स्थानों में स्वागत किया गया। देश भक्ति के मनमोहक गानों ने तिरंगा यात्रा में उत्साह भर दिया।लालीपुर चौराहा से तिरंगा यात्रा बस स्टैंड चिलमन चौक होते हुए उदय चौक पहुंची जहां पर पुलिस जवानों ने बैंड की धुन पर राष्ट्रगान कराया और हजारों लोगो ने एक साथ राष्ट्रगान किया।बैंड, आतिशबाजी, मनमोहक झांकियों के साथ पैदल मार्च निकली तिरंगा यात्रा का स्थानीय व्यापारी सहित महिलाओं ने पुष्पवर्षा से स्वागत किया। शामिल जनों ने देश भक्ति के लिए अभिव्यक्ति दी यात्रा का पुष्प वर्षा से जगह-जगह स्वागत किया गया।यात्रा में विशाल जनसमूह भारत माता की जय और वंदे मातरम् का उदघोष करते हुए हाथों में तिरंगा लहराते हुए यात्रा को अभूतपूर्व,अविस्मरणीय रूप दिया।यात्रा का समापन स्थानीय उदय चौक में सारे जहां से अच्छा राष्ट्रगान जन गण मन के साथ किया गया।देश की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर तीनों सेनाओं में शामिल सैनिकों के पराक्रम का अभिवादन कर आभार व्यक्त करते हुये तिरंगा यात्रा का समापन हुआ।यहां पर जमकर अतिशबाजी भी की गई देश भक्ति का युवाओं में उत्साह दिखाई दिया सर्व समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को वृहद रूप से किया गया।शाम 4-30 पर कार्यक्रम स्थल पर एकत्रीकरण हुआ।वाहनों की पार्किंग सरस्वती स्कूल में की गई।तिरंगा यात्रा के दौरान नगर के चौराहों में स्थापित प्रतिमाओं रानी अवंती बाई,

पं.दीनदयाल एवं डॉ.भीमराव अम्बेडकर के साथ शहीद उदय चंद की प्रतिमा पर फूल वर्षा की गई। सर्व समाज के इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश की सेना का सम्मान और हौसला अफजाई रहा है।आतंकवाद के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं ने शौर्य पराक्रम और साहस का अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है जिससे यह ऑपरेशन सिंदूर सफल हुआ है।इसके लिए देशभर में सैनिकों के सम्मान के साथ अभिवादन किया जा रहा है।शनिवार को भारत माता की जय और वंदे मातरम के उदघोष करते हुए हाथों में तिरंगा ध्वज लिए नगर की सडक़ों में तिरंगा यात्रा निकाली गई।इसमें सभी वर्ग के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिकों के आह्वान पर इस यात्रा में सर्वसमाज के नागरिक,देशभक्त,गणमान्य जन, मातृशक्ति,भूतपूर्व सैनिक,सीआरपीएफ 148वीं बटालियन, एनसीसी, खिलाड़ी, समाजसेवी, वर्ग बड़ी संख्या में सहभागी बने।इस तिरंगा यात्रा में कैबिनेट मंत्री श्रीमति सम्पतियां उइके पहुंची और उन्होंने पूरी यात्रा में अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए लोगों का उत्साह वर्धन किया।

मनाक्सिया कोटेड मेटल्स का एफवाय25 में 790 करोड़ कुल आय और 15 करोड़ शुद्ध लाभ!

मुंबई, एजेंसी। मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड जो प्री-पेंटेड गैल्वनाइज्ड स्टील और प्लेन गैल्वनाइज्ड स्टील के अग्रणी निर्माता एवं निर्यातक में से एक है, ने अपने क्यू4 एफवाय25 और पूरे एफवाय25 के ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी कॉइल और शीट दोनों रूपों में उच्च गुणवत्ता वाले कोटेड मेटल उत्पादों में विशेषज्ञता रखती है। मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर श्री करण अग्रवाल ने कहा, हमें खुशी है कि वित्तीय वर्ष 25 हमारे लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ। इस वर्ष के दौरान, हमने वारंट और इक्विटी शेयरों के आवंटन के माध्यम से दो महत्वपूर्ण फंड रेजिंग पहलों को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस पूंजी वृद्धि ने हमारे बैलेंस शीट को मजबूती प्रदान की है और हमारे आगामी विकास पहलों को गति देगी। जैसे ही हम वित्तीय वर्ष 26 में कदम रख रहे हैं, हम चल रहे परिवर्तनकारी प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्साहित हैं। हम अपनी गैल्वेनाइजिंग तकनीक को अपग्रेड कर रहे हैं ताकि निर्माण कर सकें — एक उच्च प्रदर्शन वाला अलॉय-कोटेड स्टील जो टिकाऊपन और प्रीमियम मूल्य के लिए जाना जाता है। यह बदलाव नए वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही से ही हमारे परिचालन मार्जिन और कुल लाभप्रदता में सुधार लाने की उम्मीद है।

पीडब्ल्यू ने शानदार प्रदर्शन करने वाले अपने छात्रों की सफलता का जश्न मनाया

विदिशा। एजुकेशन कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के एमपी बोर्ड वाला ने कक्षा 10वीं के मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के परिणामों में शानदार प्रदर्शन करने वाले अपने छात्रों की सफलता का जश्न मनाया। पीडब्ल्यू के 10 छात्र राज्य के टॉप 10 रैंकर्स में शामिल हैं।इस सूची में शामिल हैं - प्रज्ञा जैस्वाल(रैंक 1), आयुष द्विवेदी (रैंक 2), अनुराग कुमार साहू (रैंक 5), सौरभ त्रिपाठी और वैष्णवी शुक्ला (रैंक 6), वेदिका पटेल (रैंक 7), अभिमन द्विवेदी और आयुष प्रजापति (रैंक 8), शुभम तिवारी (रैंक 9), और वेदिका चौरसिया (रैंक 10)। ये सभी छात्र पीडब्ल्यू के उड़ान और रूद्र एमपी बोर्ड वाला बैचों का हिस्सा थे, जो एमपी बोर्ड के छात्रों को संरचित पढ़ाई और नियमित मूल्यांकन के माध्यम से मदद करते हैं।फिजिक्सवाला के संस्थापक और शिक्षक, अलख पांडे ने इस अवसर पर कहा, ये परिणाम छात्रों की मेहनत और हमारे शिक्षण केंद्रों की सोच को दर्शाते हैं। हम देशभर के छात्रों को इसी तरह मार्गदर्शन और अनुभवी शिक्षकों की सहायता प्रदान करते रहेंगे।

एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड ने क्यू-ब्रिज लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड , एक अग्रणी फिनटेक कंपनी, ने क्यू-ब्रिज नामक एक अत्याधुनिक, समावेशी और व्यापक फिनटेक समाधान लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य सभी भारतीयों—विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों—के लिए वित्तीय सेवाओं को सरल और एकीकृत बनाना है क्यू-ब्रिज एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म है जो विभिन्न वित्तीय सेवाओं को एक छत के नीचे एकीकृत करता है। इस नाम का अर्थ ही है- क्यूआर, बैंकिंग, रेमिटेंस, इन्क्लूसिव ट्रेवल सर्विसेस, डिजिटल फाइनेंशियल सर्विसेस, गेटवे पीजी और पीओएस इकोसिस्टम—ये सभी एक सशक्त, सुगम और मापनीय समाधान प्रदान करने के स्तंभ हैं। क्यू-ब्रिज को उपभोक्ताओं, व्यापारियों, वित्तीय संस्थानों और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र बनाता है जो शहरी और ग्रामीण समुदायों को समान रूप से सशक्त बनाता है। क्यू-ब्रिज के माध्यम से एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड का उद्देश्य वित्तीय सेवाओं की पहुंच को सरल, भरोसेमंद और जन-उपयोगी बनाना है, चाहे उपभोक्ता बैंक से जुड़े हों या न जुड़े हों। क्यू-ब्रिज के तहत प्रदान की जाने वाली प्रमुख सेवाएं- क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान- व्यापारी अब कैश हैंडलिंग से मुक्त होकर सुरक्षित और त्वरित लेनदेन कर सकेंगे। बैंकिंग ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी)- एनएसडीएल और पीएसयू बैंकों के साथ साझेदारी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना। रेमिटेंस / घरेलू मनी ट्रांसफर (डीएमटी)- पैसे भेजने और प्राप्त करने की एक आसान, तेज और सुरक्षित सेवा, खासकर ग्रामीण परिवारों के लिए। आईआरसीटीसी रेलवे टिकट बुकिंग और पर्यटन सेवाएं- ग्रामीण क्षेत्रों को देश और पर्यटन से जोड़ने की एक आसान पहुंच।

एशिया कप से बाहर हो सकती है टीम इंडिया

नई दिल्ली एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बढ़ते तनाव का असर अब क्रिकेट के मैदान पर भी दिखने लगा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशिया कप 2025 से हटने का मन बना लिया है। अभी पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष हैं। वे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक क्ष्टष्टढ्ढ के एक सूत्र ने बताया है कि भारतीय टीम ऐसे टूर्नामेंट में नहीं खेल सकती, जिसका आयोजन एक पाकिस्तानी मंत्री की अध्यक्षता वाली संस्था कर रही हो। यह देश की भावनाओं का मामला है। हमने,ष्टष्ट को अपने फैसले के बारे में बता दिया है और भारत सरकार के संपर्क में हैं। 2023 में वनडे फॉर्मेट में खेले गए एशिया कप में भारत-पाकिस्तानी की टीमें कोलंबो में लीग मुकाबले में भिड़ी थीं। इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 228 रन से हराया था। 2023 में वनडे फॉर्मेट में खेले गए एशिया कप में भारत-पाकिस्तानी की टीमें कोलंबो में लीग मुकाबले में भिड़ी थीं। इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 228 रन से हराया था।

सनौसी बीट में हाथियों के कुचलने से 2 लोगों की मौत

शहडोल। शहडोल जिले के उत्तर वन मंडल के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र में जंगली हाथियों के हमले में दो मौतें हो गई हैं। जानकारी के अनुसार एक पुरुष और एक महिला की मौत हुई है। जंगली हाथी ने दोनों को कुचल दिया है। मौके पर वन अमला पहुंच गया और मामले की जांच की जा रही है। मालूम हो कि हाथियों का एक दल ब्यौहारी वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहा है। इसी दल के हाथी ने सोमवार को दो लोगों को कुचल दिया है। यह घटना वन परीक्षित गोदवाल के सनौसी बीट में हुई है। वन अधिकारियों ने बताया कि घटना हुई है और जांच पड़ताल की जा रही है कि किस कारण से मौत हुई है।

भारत से अमेरिका भेजे गए 4 करोड़ के आम रिजेक्ट, वहीं नष्ट करना पड़े!

मुंबई, एजेंसी। अमेरिका ने भारत से भेजे गए आम के 25 शिपमेंट लौटा दिए। इसकी वजह रेडिएशन से संबंधित कागजों में गड़बड़ी होना पाया गया। इन आमों को भारत ले जाना ज्यादा महंगा सौदा था, ऐसी स्थिति में निर्यातकों ने इन आमों को अमेरिका में ही नष्ट कर दिया। इन आमों की कीमत 4 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई गई है। अमेरिका भारतीय आमों का सबसे बड़ा खरीदार है। हाल ही में अमेरिका ने भारत से हवाई जहाज से भेजे गए आमों की 15 खेप डॉक्यूमेंट्स में गड़बड़ी बताकर लौटा दी।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि या तो इन आमों को अमेरिका में ही नष्ट कर दिया जाए या वापस भारत भेज दिया जाए। आमों के जल्दी खराब होने और उन्हें वापस भारत भेजने के ऊंचे खर्च के कारण, सभी निर्यातकों ने उन्हें नष्ट करने का फैसला किया। ये आम 8 और 9 मई को मुंबई में विकिरणित किए गए थे। विकिरणित एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें फलों को नियंत्रित मात्रा में रेडिएशन में रखा जाता है। इससे फल में मौजूद कीड़े मर जाते हैं और फल ज्यादा समय तक टिके रहते हैं।

ये खेप लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और अटलांटा जैसे एयरपोर्ट पर रोकी गईं। अमेरिकी अधिकारियों ने विकिरण प्रक्रिया से जुड़े कागजात में गलतियां बताईं। निर्यातकों के अनुसार, समस्या कीड़ों की वजह से नहीं थी, बल्कि कीड़ों को मारने की प्रक्रिया के कागजात में गड़बड़ी के कारण हुई। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार इस आमों के कीड़े मारने की प्रक्रिया का सही तरीके से पालन नहीं हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक रेडिएशन प्रक्रिया में गड़बड़ी की बात सामने आई है। निर्यातकों ने कहा कि रेडिएशन सुविधा में गलतियां हुई हैं। रेडिएशन की प्रक्रिया नवी मुंबई के एक सेंटर में होती है। वहां अमेरिका के कृषि विभाग (स्ठ) के एक अधिकारी भी मौजूद होते हैं। यह अधिकारी क्कक्त203 फॉर्म को प्रमाणित करने के लिए जिम्मेदार होता है। यह फॉर्म अमेरिका जाने वाले आमों के लिए जरूरी है। निर्यातकों ने कहा कि उन्हें विकिरण सुविधा में हुई गलतियों की सजा मिल रही है। आम जल्दी खराब हो जाते हैं। उन्हें नष्ट करने या वापस भेजने में भी काफी खर्च आता है। इसलिए निर्यातकों को करीब 5 लाख डॉलर (करीब 4.28 करोड़ रुपए) का नुकसान होने का अनुमान है। स्ठ ने एक प्रभावित निर्यातक को एक सूचना भेजी। इसमें लिखा था कि अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा ने गलत तरीके से जारी क्कक्त203 के कारण खेप को मंजूरी नहीं दी। नोटिस में यह भी कहा गया कि खेप को फिर से निर्यात किया जाना चाहिए या नष्ट कर दिया जाए। अमेरिकी सरकार इस खेप के लिए कोई मुआवजा नहीं देगी।

निर्यातकों ने किया दावे का खंडन

निर्यातक ने अमेरिकी अधिकारियों के इस दावे का पुरजोर खंडन किया। उन्होंने कहा कि रेडिएशन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। क्कक्त203 फॉर्म प्रक्रिया के बाद ही जारी किया गया था। उन्होंने सवाल किया कि अगर रेडिएशन प्रक्रिया का सही से पालन नहीं किया गया तो हमें फॉर्म कैसे मिल सकता है? उस फॉर्म के बिना, जिसे स्ठ अधिकारी ने जारी किया है, आमों को मुंबई हवाई अड्डे पर लोड करने की अनुमति भी नहीं मिल सकती थी।

भविष्य के लिए सबक: अमेरिका भारत के आमों का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन है। रेडिएशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी अगर दस्तावेज़ में गलती के कारण शिपमेंट खारिज होता है, तो यह सिर्फ व्यापारिक नुकसान नहीं बल्कि प्रक्रिया और प्रबंधन की बड़ी चूक को भी उजागर करता है। भारत सरकार और संबंधित एजेंसियां इस मामले की जांच कर जिम्मेदारी भी तय कर सकती है। भारत से आम या अन्य वस्तुओं का निर्यात करने के लिए, निर्यात करने वाले को सही कागजी कार्रवाई और कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा।

फ्लेक्सी कैप फंड की लोकप्रियता बढ़ी

अस्थिर बाज़ार में निवेशकों को वृद्धि और विविधीकरण की तलाश

मुंबई, एजेंसी। सीमा पर तनाव, वैश्विक व्यापार की अनिश्चितताओं और कॉर्पोरेट आय में कमी के बीच अनिश्चित बाज़ार परिदृश्य में, निवेशक फ्लेक्सी-कैप म्यूचुअल फंड पर अधिक से अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ये फंड, फंड मैनेजरों को लार्ज, मीडियम और स्मॉल कैप (बड़े, मध्यम और छोटे बाज़ार पूंजीकरण) शेयरों में परिसंपत्तियों को गतिशील रूप से आवंटित करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें बाज़ार की बदलती परिस्थितियों के अनुरूप तुरंत पहल करने में मदद मिलती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, फ्लेक्सी-कैप फंड में शुद्ध प्रवाह वित्त वर्ष '25 में तीन गुना से अधिक बढ़कर 49,580 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष '24 के 15,502 करोड़ रुपये था। इक्वेशन के संस्थापक और

मुख्य कार्यकारी, कपिल होलकर कहते हैं, ऐसे माहौल में जहां मैक्रो संकेत तेज़ी से बदल रहे हैं और रुझान वैश्विक सुर्खियों से प्रेरित है, फ्लेक्सीकैप फंड लार्ज कैप की स्थिरता को मिड और स्मॉल कैप की वृद्धि की क्षमता के साथ जोड़ते हैं, साथ ही फंड मैनेजरों को बाज़ार के अवसर के अनुरूप पहल करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं। है।

सोने के रेट में फिर बदलाव

मुंबई, एजेंसी। परिवार में शादी या कोई फंक्शन है और आप सोने या चांदी खरीदने की सोच रहे है तो पहले 19 मई का ताजा भाव जान लीजिए। आज सोमवार को सोने के भाव में 380 रूपए प्रति 10 ग्राम का उछाल और चांदी की कीमतों में 100 प्रति किलो की गिरावट आई है । नई कीमतों के बाद सोने के दाम 95 हजार और चांदी के भाव भी 96 हजार के पार ट्रेंड कर रहे है। आज सोमवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 19 मई 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 87,700 , 24 कैरेट का भाव 95, 660 और 18 ग्राम सोने का रेट 71,760 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 96,900 रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव: दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 71 760/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 71, 630/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 71, 680 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 72, 100/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 87, 600/- रुपये । जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 87, 700/- रुपये ।

हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 87, 550/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव: भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 95,560 रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 95, 660/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 95, 510/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 95,510/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 96,900 /- रुपये चल रही है। चेन्नई, मदुरै , हैदराबाद,और केरल सराफा बाजार में कीमत 1,07,900/- रुपये। भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी की कीमत 96,900/ रुपए ट्रेंड कर रही है।

एलुमिनियम और स्टील वैश्विक व्यापार युद्ध के केंद्र में, भारत को बनाना है एलुमिनियम का वैश्विक केंद्रः अनिल अग्रवाल

मुंबई, एजेंसी। वेदांता समूह के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल ने वैश्विक व्यापार में हो रहे बड़े बदलावों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि स्टील और एलुमिनियम जैसे रणनीतिक धातु अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध के मुख्य बिंदु बन चुके हैं। अमेरिका ने इन धातुओं के आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर कनाडा और मैक्सिको जैसे अपने सहयोगी देशों को भी कोई रियायत नहीं दी है। उन्होंने बताया कि ये दोनों धातुएं हर आधुनिक ढांचे की नींव हैं - हवाई अड्डों से लेकर रेलवे, घर, वाहन और मोबाइल तक। लेकिन आने वाले वर्षों में एलुमिनियम अपनी हल्की और 100 प्रतिशत पुनर्चक्रण योग्य प्रकृति के चलते स्टील से भी अधिक प्रासंगिक बन जाएगा।

इम्पॉसिबल द फाइनल रेकनिंग'

'मिशन = इंपॉसिबल द फाइनल रेकनिंग' दुनिया भर में अगले हफ्ते लगेगी, लेकिन भारत में यह 17 मई,शनिवार को ही रिलीज़ हो गई। कॉन के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म का विशेष प्रदर्शन किया गया और टॉम क्रूज तथा टीम को स्टैंडिंग ओवेशन दिया गया, जो बड़ा सम्मान माना जाता है। यह एक्शन, एडवेंचर, थ्रिलर फिल्म है जो दर्शकों को रोमांच के नये पायदान पर ले जाती है। यह फिल्म याद रखी जाएगी टॉम क्रूज़ के पनडुब्बी से लेकर आसमान छूते स्टंट और पागलपन भरे एक्शन के लिए। कहा जाता है कि वे अपने एक्शन सीन खुद ही करते हैं, बॉडी डबल का उपयोग नहीं करते। यह फिल्म हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ ही स्टाइलिश सिनेमैटोग्राफी और टॉम क्रूज़ जैसे करिश्माई हीरो की एक्टिंग के लिए भी याद रखी जाएगी। इसमें 2019 में आई हिन्दी फिल्म 'वॉर' या 2023 की 'पठान' से कई गुना बेहतर एक्शन हैं, लेकिन हिन्दी फिल्मों वाला भड़भड़कूटा नहीं है। यह मिशन इम्पॉसिबल सीरीज की यह आठवीं और अंतिम फिल्म है। टॉम क्रूज़ के हैरतअंगेज़ कारनामों के चाहनेवाले दुनियाभर में हैं। इस फिल्म में एक्शन तो है, पर वह जबरन ठूंसे हुए नहीं हैं। दूसरी फिल्मों की तरह इसमें भी टॉम क्रूज़ खूब दौड़ते हैं, कार दौड़ाते हैं, समंदर के भीतर बर्फीले पानी में आठ सौ फ़ीट नीचे जाकर पनडुब्बी में जानलेवा स्टंट करते हैं, हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर में जिंदगी और मौत के बीच लम्बी रेस करते हैं। वे हर जगह जाकर उस अदृश्य एआई अदृश्य दुश्मन 'वजूद' से लड़ते हैं, जो किसी को नज़र नहीं आता, लेकिन हर जगह सक्रिय है। ईथन हंट यानी टॉम क्रूज़ यह सब करते हैं अमेरिका की महिला राष्ट्रपति के कहने पर। अज्ञात एआई दुश्मन वजूद ने दुनिया के कई देशों

के परमाणु हथियारों पर कब्ज़ा कर लिया है और वह किसी भी सनक में पृथ्वी को नष्ट कर सकता है। हॉलीवुड की फिल्में हमेशा ही इस नैरेटिव को सेट करने में जुटी रहती है कि दुनिया पर अगर संकट आयेगा तो वह अमेरिकी लोग ही होंगे जो उस संकट से मुक्ति दिलाएंगे। हल करेंगे अदृश्य है लेकिन फिल्म उसका नाम रखा गया है वजूद जबकि यह कहना भी गलत नहीं होगा कि दुनिया की ज्यादातर परेशानियों की जड़ अमेरिका ही है चाहे वह पर्यावरण हो या परमाणु हथियार।

मिशन इम्पॉसिबल की यह आठवीं कड़ी वहीं से शुरू होती है जहां पिछली कड़ी खत्म हुई थी। पिछली फिल्म में ईथन हंट को बहुत खुफिया चाबी मिल चुकी है जिसकी उसे लंबे समय से तलाश थी। बावजूद इसके वह अभी तक इससे अनजान था इसके पीछे कौन सा छुपा हुआ है। उसे दुनिया भर के लिए खतरा बन चुके अज्ञात एआई खलनायक 'वजूद' से धरती को बचाने के मिशन पर जाने के लिए कहती है। एआई वजूद दुनिया भर में तबाही लाने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल करके न्यूक्लियर पॉवर रखने वाले देशों के सिस्टम को हैक करके अपने कब्जे में लेता है।

फिल्म में रोमांचक स्टंट और हैरतअंगेज एक्शन करते हुए टॉम क्रूज़ को देखकर यह नहीं लगता है कि वे 62 साल के हो चुके हैं जिसमें से 29 साल उन्होंने मिशन इंपॉसिबल को दिए हैं। डायरेक्टर क्रिस्टोफर मैकक्वैरी की इस फिल्म में हैली एटवेल, विंग रहाम्स,साइमन पेग, एंजेला बैसेट भी हैं।यह फिल्म अंग्रेजी के अलावा हिन्दी, तमिल और तेलुगु में भी डब की गई है।

हॉलीवुड की एक्शन फिल्मों के शौक़ीन लोगों के लिए देखनीय।

डॉ. प्रकाश हिन्दुस्तानी

सतना रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टला, मालगाड़ी में टकराया इंजन, मची अफरा तफरी

सतना । मध्य प्रदेश के सतना रेलवे स्टेशन पर उस समय हड़कंप मच गया, जब यहां एक ट्रेन का इंजन यार्ड में खड़ी मालगाड़ी जा टकराया। हादसे के चलते मालगाड़ी डिरेल हो गई। हालांकि, गनीमत रही कि, हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ये हादसा शंटिंग के दौरान होना बताया जा रहा है। यार्ड में खड़ी मालगाड़ी से इंजन टकराया।

दरअसल, ये हैरान कर देने वाली घटना रविवार शाम को उस समय हुई, जब मालगाड़ी की शंटिंग की जा रही थी। आरएनडी-2 में एक मालगाड़ी (बीसीएन वैगन) मैहर की ओर जाने के लिए सिग्नल का इंतजार कर रही थी। शाम 6=10 बजे यार्ड में आरडी-1 से आरडी-4 में मालगाड़ी की शंटिंग चल रही थी। इस दौरान इंजन आरडी-4 लाइन की बजाय आरएनडी-2 लाइन में चला गया। इंजन ने वहां खड़ी मालगाड़ी के ब्रेकयान को टक्कर मार दी। वो तो गनीमत रही कि, मालगाड़ी को टक्कर मारने वाले इंजन की स्पीड कम थी, जिसके चलते मालगाड़ी पटरी से नहीं उतरी। घटना के बाद पहले तो रेलवे कर्मचारियों ने मामले को छिपाने का खासा प्रयास किया। लेकिन, जब ये जानकारी जबलपुर मंडल के रेलवे अधिकारियों तक पहुंची, तब मामले की जांच शुरू की गई। रेलवे अधिकारी अब ये पता लगा रहे हैं कि, यार्ड या आरआरआई में किसकी गलती से ये हादसा हुआ है।

महाराष्ट्र दौरे पर पहुंचे CJI प्रोटोकॉल को लेकर हुई चूक से नाखुश

मुंबई। भारत के मुख्य न्यायाधीश का 14 मई को पदभार संभालने के बाद अपने गृह राज्य महाराष्ट्र की पहली यात्रा पर आए ष्टछ्वढ्ढ बीआर गवई ने रविवार को उनके सम्मान में आयोजित सम्मान समारोह में राज्य के शीर्ष अधिकारियों की अनुपस्थिति पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, संविधान के प्रत्येक अंग कोज्दूसरे को उचित सम्मान देना चाहिए। महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल द्वारा मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए , ष्टछ्वढ्ढ गवई ने कहा, हम कहते हैं कि लोकतंत्र के तीन स्तंभ हैं, न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका, और वे समान हैं। संविधान के हर अंग को दूसरे अंगों को उचित सम्मान देना चाहिए। महाराष्ट्र से कोई व्यक्ति पहली बार भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में राज्य में आ रहा है। अगर महाराष्ट्र के मुख्य सचिव, राज्य के पुलिस महानिदेशक या मुंबई के पुलिस आयुक्त को आना जरूरी नहीं लगता है, तो उन्हें इस बारे में सोचना चाहिए।

बाद में, जब मुख्य न्यायाधीश गवई ने डॉ. बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए चैत्य भूमि का दौरा किया तो मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, डीजीपी रश्मि शुक्ला और मुंबई के पुलिस आयुक्त पी देवेन भारती मौजूद थे।

पेज 1 का शेष

नईदुनिया का भव्य भवन ढहा तो लगा कि मेरे भीतर का ही एक हिस्सा ढह गया!

दैनिक भास्कर की ओर से लगे इस होर्डिंग पर लिखा था-एक लाख प्रतियाँ समारंभ।' दैनिक भास्कर ने भोपाल से इंदौर जाकर बारह साल की मेहनत के बाद यह दावा किया कि अब वह एक लाख की संख्या में छपने लगा है। कई दिन चले भास्कर के उत्सव में शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय की शोभायात्रा निकली थी। सयाजी होटल में टीएन शेषन जैसी विभूतियाँ व्याख्यान देने आईं थीं। नईदुनिया ने अपने पचास साल का जलसा लालबाग पैलेस में सजाया, जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा आए थे। इस अवसर पर आदरणीय अभयजी ने एक दस्तावेज लिखा था- प्रतिबद्धता की आधी शती।' इन पचास सालों में नईदुनिया ने प्रसार की दृष्टि से 77 गुना बढ़ोतरी दर्ज की थी। छह पैसे में चार पेज का नईदुनिया 1947 में केवल डेढ़ हजार कॉपियाँ छापता था, जो अब एक लाख 15 हजार हो गई थीं।

मगर प्रसार संख्या ही नईदुनिया की ताकत नहीं थी। लोग हिंदी सीखने के लिए नईदुनिया पढ़ते थे। नईदुनिया पढ़े बगैर दिन के होने का विश्वास नहीं होता था। पाठकों का यह विश्वास नईदुनिया की ताकत थी, जिसमें अनेक ऋषियों की साधना का बल लगा था। नईदुनिया में क्षमता थी कि वह देश में सौ संस्करणों का समाचार पत्र बनता। वह कई भारतीय भाषाओं में छपता। नईदुनिया का अपना टीवी चैनल होता। एफएम के दौर में अपने रेडियो चैनल होते। अपना फिल्म प्रोडक्शन हाऊस होता। अपनी विज्ञापन एजेंसी होती। कम्युनिकेशन का कोई माध्यम अछूता नहीं छूटना चाहिए था। नईदुनिया ऐसा ब्रांड बनने की शक्ति रखता था। मगर स्वतंत्र संपादकों का दौर समाप्त होते ही पूरी ताकत आदरणीय अभयजी के हाथों में आ गई और उनके लिए इंदौर की पूरी दुनिया थी। नईदुनिया का मतलब अभय छजलानी था। खेल प्रशाल बनाने में उन्होंने वह सारी ऊर्जा लगा दी, जो नईदुनिया को एक देशव्यापी ब्रांड बनाने में लग सकती थी। दूसरा दुर्भाग्य यह रहा कि दैनिक भास्कर के श्रीमान् रमेशचंद्र अग्रवाल की तरह अभयजी के परिवार में परमात्मा ने एक सुधीर अग्रवाल नहीं दिया। विनय छजलानी उनके सुपुत्र थे, मगर उनकी कोई रुचि अखबार में नहीं थी। हमने उन्हें कभी अखबार में देखा तक नहीं। उनके अपने कारोबार थे। वे अपनी जगह सफल थे। एक आयु के बाद अभयजी के आगे नईदुनिया का डेड एंड था। अभयजी से मेरी आखिरी मुलाकात के समय नईदुनिया को बिके हुए आठ साल हो चुके थे। अभयजी की स्मृतियाँ धीरे-धीरे लुप्त हो रही थीं। नईदुनिया के पतन के प्रश्न पर श्रीमती पुष्पा छजलानी ने मुझसे कहा था कि इन्होंने गलत लोगों पर भरोसा किया। लोगों ने इन्हें धोखे दिए। इन्हें सही आदमी की पहचान नहीं थी। कभी इस पर अवश्य लिखना। अभयजी खामोशी से सुन रहे थे। मुझे नहीं पता कि वे उस समय क्या विचार कर रहे होंगे। जब नईदुनिया को चलाने के लिए विनय छजलानी ने सारे सूत्र अपने हाथों में लिए तब सबने देखा कि अभयजी उपेक्षित कर दिए गए हैं। पुष्पा छजलानी ने तब अपने सुपुत्र विनय छजलानी को एक पत्र के जरिए यह पीड़ा व्यक्त की थी। नईदुनिया के महान योगदान और दुखद अंत पर प्रमाणिक दस्तावेज लिखे जाने चाहिए।

मुझे याद है कि 2008 में विनय जी ने मुझे भी बुलाया था और कहा था कि लोग नईदुनिया से इस कारण छोड़कर जाते रहे कि यहाँ आगे बढ़ने के कोई अवसर नहीं हैं। मैं अवसर दे रहा हूँ। लौटिए। वह एक अच्छा ऑफर था। मगर तब मुझे दैनिक भास्कर में आए दो ही साल हुए थे। कुछ करके दिखाया नहीं था। मैंने यही उन्हें कहा कि अगर मैं वापस आता हूँ तो लोग कहेंगे कि चार पैसे ज्यादा मिले और मैंने भास्कर छोड़ दिया। इसलिए वहाँ कुछ करने दीजिए। नईदुनिया मेरे लिए घर जैसा है। कभी भी आ जाऊंगा। मैं उन्हें धन्यवाद देकर लौट आया था। मगर जाने का योग बना नहीं। विनयजी की परवरिश अखबार के माहौल में हुई नहीं थी। बहुत देर से वे नईदुनिया के फलक पर आए। उन्होंने एक बूस्टर डोज अवश्य देने की कोशिश की मगर बीमारी लाइलाज हो चुकी थी। कोई भी अपनी विरासत को क्यों नष्ट होने देगा। बेचने के पहले वे भी शायद बहुत मजबूर होकर ही अंतिम निर्णय पर पहुंचे होंगे। नईदुनिया से मेरा भावनात्मक लगाव रहा है। 2003 में छोड़ने के बाद भी मैं वहाँ बड़े अधिकार से जाता रहा। अभयजी के साथ मेरा संबंध आखिर तक रहा। मैंने अपने पत्रकारीय जीवन के आरंभिक वर्षों की पूरी ऊर्जा गहरी निष्ठा के साथ बाबू लाभचंद छजलानी मार्ग के उस पवित्र परिसर में अर्पित की थी। आज जब उस भवन के गिरने की तस्वीरें मिलीं तो लगा कि मेरे भीतर का ही एक हिस्सा ढह गया है!

110 पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

छिंदवाड़ा। पुलिस लाइन छिंदवाड़ा में पुलिस अधीक्षक अजय पांडे के निर्देशन में एक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक आशीष तिवारी, सूबेदार लोहित, एएसआई केशव इंगले, हेड कांस्टेबल राहुल ठाकुर एवं अन्य कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही यातायात डीएसपी रामेश्वर चौबे, डीएसपी (अजाक) राजेश बंजारे, एफएसएल अधिकारी श्रीमती अनीता जोहरी एवं समस्त थाना शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा स्वास्थ्य शिविर का लाभ लिया गया। इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में विवांता क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा हृदय, मस्तिष्क एवं स्त्री रोग से संबंधित परीक्षण किए गए। लगभग 110 पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर सहित अन्य सामान्य जांचों के साथ लिपिड प्रोफाइल की भी निःशुल्क जांच की गई। विवांता हॉस्पिटल की ओर से डॉ. यश के. पालीवाल (एमबीबीएस, एमडी मेडिसिन), हॉस्पिटल डायरेक्टर बलराम मेघानी, पंकज शर्मा, डॉ. श्रीमती श्रद्धा शर्मा, अभिषेक सिंह चंदेल, नर्सिंग स्टाफ एवं मैनेजमेंट टीम उपस्थित रही। पुलिस विभाग द्वारा विवांता हॉस्पिटल की टीम को इस महत्वपूर्ण एवं सफल आयोजन हेतु धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया गया।

म.प्र.जन अभियान परिषद की टीम ने जल स्रोतों के आस-पास जल स्वच्छता अभियान

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार एवं म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के कुशल मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शनिवार को म.प्र. जन अभियान परिषद के द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयासों में ग्राम उभेगांव के सेक्टर नंबर-4 के ग्राम में स्थित तालाब, झिरिया के आसपास में जल स्वच्छता अभियान परामर्शदाता विनोद तिवारी, श्रीमती लता नागले, श्रीमती तृप्ति सिंह, जय प्रकाश सूर्यवंशी, आशीष साहू सहित नवांकुर संस्था सिध्दि विनायक नगर विकास समिति के अध्यक्ष महेश बन्देवार, समाजसेवी डॉ.एन.के.सोमकुवर सहित प्रस्फुटन समिति उभेगांव के श्री आनंद साहू, शेषकुमार डेहरिया, पप्पू बंदेवार, रंजीत इंगले के साथ बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी नरेंद्र, शिवांगी वानखेड़े, किरण बनवारी, श्रद्धा गुप्ता, प्रीति धुर्वे सहित अन्य विद्यार्थी, नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समिति के सदस्यगण, ग्रामीण जन ने श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया।

ग्राम उभेगांव के सेक्टर नंबर-4 के फील्ड विजिट में म.प्र.जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के वरिष्ठ परामर्शदाता राष्ट्पति पुरस्कार प्राप्त समाजसेवी विनोद तिवारी, परामर्शदाता श्रीमती लता नागले, आशीष साहू के साथ बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों ने श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया, वही सभी ग्रामीणों को जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी दी और सभी से अपील की है कि वर्षा के जल को अधिकाधिक एकत्र करने के लिए स्टॉप डेम वॉटर हार्वेस्टर का निर्माण करें। म.प्र.जन अभियान परिषद की सेक्टर नंबर-4 की नवांकुर संस्था सिध्दि विनायक नगर विकास समिति के अध्यक्ष श्री महेश कुमार बंदेवार ने जन सहयोग से जल गंगा संवर्धन अभियान में कुआं, बावड़ी, नदी व नाले की साफ-सफाई करने के लिए प्रेरित किया।

टंट्या मामा स्वरोजगार योजना से मिलेगा जनजातीय वर्ग के लोगों को रोजगार

बैकों को आबंटित किये गये लक्ष्य

छिन्दवाड़ा। म.प्र.शासन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार युवक/ युवतियों को स्वयं रोजगार उपलब्ध कराने दो अभिनव योजनाएँ क्रमशः भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के लक्ष्य जिलों को आवंटित किये गये है। इसके अंतर्गत छिंदवाड़ा जिले में भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के लिये 80 हितग्राहियों व टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के लिये 302 हितग्राहियों का लक्ष्य बैंकों को आवंटित किया गया है।

कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने बताया कि भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के प्राप्त लक्ष्यों का आवंटन बैकों को किया जाकर बैंकों के प्रबंधकों एवं उनके वरिष्ठ अधिकारीयों को समय सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति के लिये निर्देशित किया गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे सभी बेरोजगार युवक व युवती जो अपना स्वयं का रोजगार, धंधा, व्यवसाय स्थापित करना चाहते हैं, वे शासन की इन अभिनव योजनाओ में ऑनलाईन प्रक्रिया द्वारा आवेदन कर लाभ ले सकते है। ज्ञात हो कि योजना के संचालन के लिए विभागीय कार्यालय आदिवासी वित्त एवं विकास निगम कलेक्टर कार्यालय स्थित प्रथम तल पर संचालित है, जहाँ से योजना संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। योजना के अंतर्गत लाभार्थी को आदिवासी वर्ग का सदस्य एवं जिले का स्थायी निवासी होना चाहिये। भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना - भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 01 लाख से 50 लाख रूपये तक वृहत एवं बड़े व्यवसाय उघोगों, धंधों के लिए ऋणों का प्रावधान है, जिसमें नियमित किश्त अदा करने पर शासन द्वारा 5प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जायेगा। आवेदक को आवेदन के समय स्थाई जाति, मूल निवास, आधार कार्ड, पेनकार्ड एवं कम से कम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण की अंकसूची की आवश्यकता होगी।

भारतीय सेना का अपमान करने वाले उपमुख्यमंत्री का पुतला दहन किया

अमरवाड़ा। सेना का अपमान करने बाले उपमुख्यमंत्री व विजय शाह के मुरादाबाद के नारे लगा कर वस सैण्ड में पुतला दहन किया गया जिसमे ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष चम्पालाल कुरचे उप ब्लॉक अध्यक्ष कल्याण पटेल सलीम खान रज्जु साहू सेवादल प्रभारी सुमित जैन विधानसभा यूबक कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह पटेल राजू उइके महिला कांग्रेस अध्यक्ष गीता विश्वकर्मा दीपक गुर्दे ब्लॉक युबा कांग्रेस प्रभारी विधानसभा युबा कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ट इरसाद खान राहुल गोतमारे ब्लॉक युबा कांग्रेस अध्यक्ष राजा चंद्रवंशी विधानसभा महासचिव युबा कांग्रेस अंकित चंद्रवंशी सतीश चंद्रवंशी नेहा अवस्ती गरीबा डेहरिया मकसूद खान सतीश दुबे रतिराम उइके सुसील मारफे, रियाना खान, आसमा खान, नन्दकुमरिय डेहरिया, रामप्यारी यादव, मिसिया वर्मा, भगवती वर्मा अन्य उपस्थित थे।

मप्रसरकार की सुदामा प्री मैट्रिक योजना से बीपीएल छात्रों की पढ़ाई आसान होगी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा में प्रोत्साहित करने और आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए सुदामा प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना शुरू की है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को वित्तीय सहायता देना है जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ हैं। विशेषकर यह योजना कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्रों के लिए है जो बीपीएल श्रेणी में आते हैं और जिनके परिवार की वार्षिक आय 1 लाख से कम है। छात्रा को प्रति वर्ष 4 सौ रुपए की छात्रवृत्ति मिलेगी। छात्र को प्रति वर्ष 3 सौ रुपए की छात्रवृत्ति दी जाएगी। यह छात्रवृत्ति सीधे छात्रों के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है जिससे उनकी पढ़ाई से संबंधित खर्चे जैसे किताबें, स्टेशनरी, स्कूल की फीस आदि में मदद मिलती है। आवेदक मध्य प्रदेश का निवासी होना चाहिए। आवेदक कक्षा 9वीं या 10वीं में पढ़ाई कर रहा हो। छात्र सरकारी स्कूल में नामांकित हो। आवेदक बीपीएल श्रेणी से संबंधित हो। परिवार की कुल वार्षिक आय 1 लाख रुपए से कम हो। पिछले वर्ष की कक्षा पास होनी चाहिए। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए शिक्षा को आसान और सुलभ बनाती है, जिससे वे अपनी पढ़ाई बिना किसी आर्थिक बाधा के जारी रख सकें। इच्छुक और एलिजिबल छात्र अपने सरकारी स्कूल के प्राचार्य से संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं। शिक्षक छात्र के आवश्यक प्रमाण पत्रों के आधार पर विद्यार्थी की प्रोफाइल को शैक्षिक पोर्टल पर दर्ज करते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और आसान है ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र इसका लाभ उठा सकें। सुदामा प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा को सुलभ और आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

3 जिलों के 600 एनसीसी कैडेट्स दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सीख रहे आपदा प्रबंधन, फायरिंग और ड्रिल

छिन्दवाड़ा। एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल थॉमस ओमेन के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संचालित हो रहे एनसीसी के वार्षिक शिविर के चौथे दिन कैडेट्स और ऑफिसर्स ने दिन की शुरुआत प्रातः सहज योग ध्यान से की। मां निर्मला देवी आश्रम से पधारे योगाचार्य श्री नीरज लवाले, श्री बंटी घोरके, सुश्री वैशाली व श्री रामसिंह डहेरिया की टीम द्वारा शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने योगा अभ्यास कराया गया। इसके बाद व्याख्यान सत्र में जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा उमंग स्वास्थ्य केंद्र (राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम) से स्वास्थ्य सलाहकार श्रीमती ज्योति सिरोलिया द्वारा सभी 600 एनसीसी कैडेट्स की बाल्यवस्था में उत्पन्न होने वाली शारीरिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक समस्याओं के प्रति विशेष जागरूकता और समाधान पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डिमॉन्सट्रेशन सत्र में कन्या परिसर प्रांगण में जिले के एसडीईआरएफ छिंदवाड़ा से प्लाटून कमांडर गणेश धुर्वे, हवलदार अनुदेशक आर.पी.सिंगोतिया एवं एसडीईआरएफ का रेस्क्यू स्टॉफ उपस्थित था, जिसके द्वारा देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आपदा प्रबंधन, सीपीआर, एयर अटैक के समय अलर्ट सायरन, रेड सायरन, ग्रीन सायरन के बाद ब्लैकआउट और सिविल डिफेंस की बारीकियां बताई गई। घायल या मरीज को स्ट्रेचर में उठाने की तकनीक, उपचार, पानी में डूबने से बचाव के तरीके बताए गए। एनसीसी कैडेट्स को फायरिंग में दक्ष बनाने के लिए लगातार सैन्य हथियारों से अभ्यास कराया जा रहा है, जिसमे कैडेट्स प्रतिदिन हथियार खोलना- जोड़ना, निशानेबाजी और छद्म युद्धाभ्यास कर रहे हैं।

शनि जनमोत्स्व 27 मई को

छिंदवाड़ा। माँ दुर्गा गणेश शनि सेवा समिति की एक विशेष बैठक शनि मंदिर प्रांगण पी डब्लू डी परिसर शिवनगर कॉलोनी में शनि जनमोत्स्व मनाने हेतु समिति अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह बैस की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस ने जानकारी देते हुये बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शनि जनमोत्स्व बड़े धूमधाम से मनाने का निर्णय समिति द्वारा लिया गया है जिसमें दिनाँक 27-05-2025 दिन मंगलवार को शाम 7 बजे अभिषेक ओर हवन पूजन किया जाएगा इसके उपरांत भंडारा होगा। आम सभी श्रद्धालुओं से निवेदन है कि 27 मई को शाम 7 बजे अभिषेक ,हवन पूजन,आरती में सम्मिलित होकर पूण्य लाभ अर्जित करें। बैठक में पंडित राम शर्मा, धनराज यादव, गणपत साहू, दिनेश शुक्ला, श्री कृष्णा राव ताठे, चुन्नीलाल खुराना, नारायण वर्मा, शिव राव पवार, शिवदयाल शर्मा, देवेन्द्र अग्निहोत्री, गोलू कांता, प्रदीप ब्रम्हे, राजा ब्रम्हे, राजकुमार उइके, बबलू भारद्वाज, राजेश यादव, कल्लू गुनहरे तथा अम्बिका प्रसाद मिश्रा, सुरेंद्र दुबे मंदिर पुजारी उपस्थित थे

सोनपुर में डॉ.आंबेडकर प्रतिमा का अनावरण 25 को

छिन्दवाड़ा। भारतीय बौद्ध महासभा के तत्वावधान में आदिवासी बिछुआ अंचल के ग्राम सोनपुर(धनेगांव) में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ.बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की पूर्णाकृति प्रतिमा का अनावरण भारतीय बौद्ध महासभा के राष्ट्रीय ट्रस्टी चेयरमैन डॉ.चंद्रबोधि पाटील एवं नागपुर के बौद्ध भिक्षुओं द्वारा 25 मई 2025 को सुबह 11 बजे किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सारणी में तैयारियों का कलेक्टर-एसपी ने किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश सारनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 28 मई को बैतूल जिले के सारणी में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां की जा रहीं हैं। इसी क्रम में रविवार को कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने सारणी पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर सभी व्यवस्थाएं प्रोटोकॉल के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने मंच, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग,पेयजल, स्वच्छता,विद्युत व्यवस्था और सुरक्षा आदि पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की। एस पी झारिया ने कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों को लेकर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान पूरी व्यवस्था चाक-चौबंद हो। इस दौरान राजस्व,पुलिस, नगर पालिका और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नुन्हारिया मेहरा समाज ने किया प्रतिभावान छात्रों का सम्मान

छिंदवाड़ा। नुन्हारिया मेहरा समाज द्वारा आज एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन इंडियन कॉफी हाउस, छिंदवाड़ा में किया गया, जिसमें समाज के उन प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने वर्ष 2024-25 की बोर्ड परीक्षाओं (10वीं एवं 12वीं) में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज एवं परिवार का नाम रोशन किया है। यह आयोजन समाज के शिक्षा के प्रति बढ़ते रुझान और युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से किया गया।इस कार्यक्रम में समाज के कुल नौ विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने 85त्न या उससे अधिक अंक प्राप्त किए। इनमें 10वीं बोर्ड परीक्षा में कुमारी सौम्या अरुण आठनेरिया ने सर्वाधिक 98प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्य विद्यार्थियों में रुद्रान्स योगेश सरनकर (92.8), निहाल नानेलाल बुनकर (92.6), प्राची अगेश सरनकर (94.6), परी शम्भूप्रसाद जावरकर (87.6), प्रिया राजेश सरनकर (87) और प्रथा सुधीर भावरकर (85.2) शामिल रहीं। 12वीं कक्षा में करण दिलीप ने 87.6त्न अंक प्राप्त किए जबकि प्राची जावरकर ने आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) परीक्षा में 84त्न अंक प्राप्त कर तकनीकी शिक्षा में अपना परचम लहराया।

29 को महाराणा प्रताप जयंती मनाने हेतु मेवाड़ा राजपूत समाज की संपन्न हुई बैठक

आष्टा। महाराणा प्रताप छात्रावास सेमनरी रोड पर आज आगामी 29 मई 2025 को महाराणा प्रताप जयंती उत्साह उमंग एवं धूमधाम से मनाने हेतु मेवाडा राजपूत समाज की एक बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का भी मनोनयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सजनसिंह मेवाडा सरपंच ग्राम रसूलपुरा को एवं उपाध्यक्ष पद पर निर्मल पटेल निवासी आनंदीपुरा को समाज द्वारा मनोनीत किया गया। चर्चा के दौरान तय किया गया कि आगामी 29 मई को महाराणा प्रताप जयंती का चल समारोह महाराणा प्रताप चौक गायत्री मंदिर से प्रारंभ होकर सेमनरी रोड स्तिथ समाज की धर्मशाला पहुचेगा। जहां पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

दीपा मंडई में मिशन नेत्रालय हरदा द्वारा ग्रमीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरण किया

सांध्य प्रकाश बैतूल। दीपा मंडई स्थित शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय परिसर में निशुल्क नेत्र शिविर और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह शिविर मिशन नेत्रालय हॉस्पिटल हरदा के तत्वावधान में नाथूजी भूमरकर के जन्म दिवस के उपलक्ष्य मे किया गया। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 150 ग्रामीणों ने नेत्र जांच,अस्थि परीक्षण, ब्लड शुगर, बीपी जांच सहित विविध स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर प्रमोद,अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राजेश चलोत्रे,आहार विशेषज्ञ गरिमा डोंगरे एवं श्रीमती किरण चलोत्रे ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की। शिविर में मदनी, बोरदेही, सेल्टो, भयावाड़ी, कोढर, गठिया,चिखलार, इटावा और जुन्नारदेव सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों ने सहभागिता की स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत जरुवत मंद मरीजों को निशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। शिविर का विधिवत उद्घाटन ग्राम पंचायत दीपा मंडई के सरपंच बद्री प्रसाद यादव, सचिव तुलसी यादव, प्रोफेसर सुखदेव डोंगरे, लोकेश भूमरकर, संदीप भूमरकर, कमलेश भूमरकर, मल्लू भूमरकर, कोटवार हर्षित भूमरकर एवं अशोक सूर्यवंशी की उपस्थिति में संपन्न हुआ।मिशन नेत्रालय हॉस्पिटल की ओर से लोकेश धनगर, गरीबा धुर्वे, शुभम राठौर और हबीब मंसूरी ने पंजीयन, ब्लड शुगर और बीपी जांच में सक्रिय योगदान दिया। शिविर की सफलता में बसोडी उइके,फुदन्ना उइके, बंसी मालवी, बिरजू भूमरकर, फागु उइके, माहेश उइके, डॉक्टर कांतिलाल खातरकर, पद्मिनी खातरकर,मोंटू झरबड़े, बलदेव कापसे, मारुति झरबड़े, संजू झरबड़े, चंद्रभान झरबड़े और लीला खातरकर ने विशेष सहयोग दिया। नाथूजी भूमरकर के जन्म दिवस के सेवा संकल्प में जन सहयोग ग्रामीणों के लिए लाभकारी रहा।

पाकिस्तानी सेना के पक्ष में पोस्ट करने वाली शासकीय शिक्षिका शहनाज परवीन के खिलाफ केस दर्ज किया

आष्टा। आखिर आष्टा ब्लॉक की जावर पुलिस ने पाकिस्तानी सेना के पक्ष में पोस्ट करने एवं दुआ करने वाली शासकीय शिक्षिका शहनाज परवीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। बता दें कि 7 दिन पहले मेहतवाड़ा के शासकीय स्कूल में शिक्षक शहनाज परवीन उम्र 45 वर्ष ने सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के समर्थन में एक वीडियो डाला था जिसकी शिकायत बजरंग दल ने जावर थाने में आवेदन देकर की थी और कार्रवाई की मांग की थी जिसको लेकर जावर

थाना प्रभारी नीता देहरवाल ने बताया कि बजरंग दल के राकेश सिंह एवं लाखन सिंह के आवेदन पर अपराध क्रमांक 177 / 25 धारा 196,197 का दर्ज किया है। फिलहाल अभी पुलिस अन्य कागजी खानापूर्ति कर रही है, उसके बाद गिरफ्तारी होना सुनिश्चित है। परिवार की स्थिति-शहनाज बानो अविवाहित है चार बहने हैं दो भाई परिवार में, माता-पिता का देहांत हो चुका है।13 तारीख को बजरंग दल ने जावर थाने में वीडियो वायरल की शिक्षिका की शिकायत की थी इस आधार पर जावर थाने में थाना प्रभारी नेता देहरवाल ने एसडीएम आष्टा स्वाती उपाध्याय मिश्रा को कार्रवाई हेतु पत्र भेजा था इस आधार पर शिक्षा विभाग ने कल निलंबन की कार्रवाई की और निलंबन का समय का अवधि का मुख्यालय इछावर जिला सीहोर रहेगा।

धोबाटोरिया विभाग ने आवेदक पर डाला मानसिक दबाव

आरटीआई के जवाब को लेकर एसडीओ द्वारा किया जा रहा प्रताड़ित

मण्डला/अजीत पटेल--जिले के शासकीय कार्यालयों में सूचना का अधिकार अधिनियम केवल माजक बन कर रह गया है।जहाँ नियमों को ताक में रखकर आवेदक को समय सीमा में जानकारी उपलब्ध नहीं कराना आदत में आ गया है,वहीं आवेदक कोई जानकारी की मांग करता है तो पहले टालमटोल कर

गलत नियमो का हवाला देकर अधूरी जानकारी दी जाती है,और जब आवेदक जानकारी न मिलने पर नियामुनार कार्यालय में पत्राचार कर अधिकारियों के दरवाज़े खट खटखटाते है, तो संबंधित अधिकारी जानकारी देने की बजाए आवेदक को खरीदने का प्रयास कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है।

उपरोक्त विषयांतर्गत मामला कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी धोबाटोरिया परियोजना उपसंभाग जिला मण्डला का है जहां सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की 6(1) के तहत आवेदक अधिवक्ता अजीत पटेल द्वारा उक्त कार्यालय से आरटीआई की नियमावली के तहत जानकारी मांगी गई थी,परन्तु संबंधित लोक सूचना अधिकारी द्वारा जानकारी प्रदाय नहीं कर आवेदक को फोन एवं कार्यालय में बुलाकर धमकाया एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है जिसमें

श्रीमती प्रीति हरदहा अनुविभागीय अधिकारी मण्डला एवं मुन्ना पटेल उपयंत्री द्वारा आवेदक को मांगी गई जानकारी का आवेदन वापस लेने के लिए धमकी दी जा रही है। उक्त मामले को लेकर आवेदक द्वारा पुलिस एवं सक्षम आला-अधिकारियों को मानसिक प्रताड़ना एवं धमकी की बात बताने को लेकर लोक सूचना अधिकारी द्वारा आवेदक को नियम विरुद्ध जानकारी प्रदाय करने आदेश पारित किया गया हैं। वावजूद इसके अधिनियम के मांगी गई जानकारी के विरुद्ध दी जा रही जानकारी को लेकर आवेदक द्वारा स्पष्टीकरण पत्राचार करने पर लोक सूचना अधिकारी द्वारा

आवेदक को स्वयं जानकारी बनाने की बात कहकर लोक सूचना अधिकारी श्रीमती प्रीति हरदहा अनुविभागीय अधिकारी धोबाटोरिया परियोजना उपसंभाग मण्डला जिला मण्डला द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 6 (1) की धज्जियां उड़ाने का मामला सामने आया जो अपराध की श्रेणी में आता है।

इनका कहना है

आपको क्या-क्या जानकारी चाहिए आप अपने अनुसार बैठकर जानकारी स्वयं तैयार करा लीजिए मुझे इस विषय में कुछ नहीं आता।

प्रीति हरदहा
अनुविभागीय अधिकारी मण्डला।

5 मई को आदेश खत्म, बिना रोक टोक खेतों में धधक रही आग, एम्स के पीछे जलाई पराली

भोपाल। पराली जलाने की टाइम लिमिट भोपाल में खत्म हो गई है, इसी के साथ अब खेतों में आग धधकने लगी है। रविवार रात एम्स के पीछे कई एकड़ खेत में पराली में आग लगा दी गई। इससे एम्स की बिल्डिंग और स्कूल की बिल्डिंग में धुआं भर गया। आसपास रहने वाले कई कॉलोनी के लोग दहशत में आ गए। देर रात आग बुझ सकी। बाग मुगालिया, करोंद, बैरसिया रोड, रायसेन रोड पर खेतों में आग दिखना आम बात हो गई है। दरअसल, तत्कालीन एडीएम सिद्धार्थ जैन ने जिले में पराली जलाने पर 5 मई तक रोक लगाई थी। इस दौरान तो सभी एसडीएम अलर्ट रहें। हुजूर, बैरसिया और कोलार एसडीएम ने 50 से ज्यादा किसानों पर ढाई लाख से ज्यादा का जुर्माना भी किया। कार्रवाई से पराली के मामले कम हुए, लेकिन इसके बाद प्रशासन की मुस्तैदी की पोल खुल रही है। बिना रोक-टोक के अब किसान खेतों में आग लगा रहे हैं।

3 महीने के लिए लगी थी रोक

बता दें कि भोपाल जिले में 3 महीने के लिए पराली जलाने पर रोक लगाई गई थी। तत्कालीन एडीएम जैन ने आदेश जारी किए थे। यह रोक 5 मई तक थी। एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश का पालन करते हुए यह रोक लगी थी। इसके बाद नया आदेश नहीं आया और किसान अब बेखौफ होकर पराली जला रहे हैं।

भोपाल में बड़े पैमाने पर जलाते हैं पराली

जिले में बड़े पैमाने पर पराली (नरवाई) जलाई जाती है, जिससे खेतों की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है। वहीं, कई बार खेतों की आग रहवासी इलाकों में भी पहुंच चुकी है।

जलगंगा मॉडल पर शहरी विकास, जनता और जनप्रतिनिधि मिलकर बनाएंगे विकास का खाका

भोपाल। प्रदेश सरकार अब शहरी विकास को जनभागीदारी के माध्यम से गति देने की तैयारी कर रही है। जलगंगा अभियान की तर्ज पर नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय संस्थाओं को एकजुट कर स्वच्छता, पर्यावरण, पौधरोपण और जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में काम किया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल आधारभूत ढांचे का विस्तार नहीं, बल्कि लोगों में विकास कार्यों के प्रति स्वामित्व और जिम्मेदारी का भाव जागृत करना है। भिंड जिले के लहरौली गांव में काली पोखर का पुनर्जीवन एक मिसाल बन चुका है, जिसे ग्रामीणों और पोरवाल परिवार के सहयोग से जलगंगा अभियान के अंतर्गत फिर से पीने योग्य बनाया गया। इसी तरह इंदौर नगर निगम ने नागरिक सहभागिता से 411 कुओं, बावड़ियों और 15 तालाबों का पुनरुद्धार किया है। अब सरकार इसी मॉडल को शहरी क्षेत्रों में लागू करने की योजना बना रही है।

विकास कार्यों में साझा निवेश

सरकार की योजना के अनुसार, विकास कार्यों में न सिर्फ स्थानीय लोग श्रमदान करेंगे, बल्कि आर्थिक सहयोग भी करेंगे। यह त्रिस्तरीय सहभागिता सांसद, विधायक और पार्षद निधि से भी समर्थित होगी। साथ ही स्थानीय कारोबारी और औद्योगिक इकाइयों को भी इस मुहिम में जोड़ा जाएगा।

मोहल्ला समितियों को मिलेगा अधिकार

हर मोहल्ले में विकास समिति बनाई जाएगी, जो स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों की जरूरतों को चिन्हित कर प्रस्ताव तैयार करेगी। यह प्रस्ताव इंजीनियरों और पार्षदों की मदद से निगम अथवा जिला प्रशासन को भेजा जाएगा। इस प्रक्रिया से विकास की योजना अधिक लोकतांत्रिक और पारदर्शी बनेगी।

विकास निधियों की राशि

- सांसद निधि- 5 करोड़ रुपए
- विधायक निधि- 3.25 करोड़ रुपए
- महापौर निधि- 5 करोड़ रुपए
- नगर निगम अध्यक्ष निधि- 2 करोड़ रुपए
- पार्षद निधि- 25 लाख रुपए

विधायक आरिफ मसूद ने हनुमान मंदिर में कराया सद्बुद्धि यज्ञ, भाजपा नेताओं द्वारा सेना पर टिप्पणी का विरोध

भोपाल। प्रदेश के भाजपा नेताओं के सेना पर विवादित बयान को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार प्रदेश भर में विरोध कर रही है। रविवार को कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के नेतृत्व में हनुमान मंदिर में सद्बुद्धि यज्ञ कराया गया। तीनों सेना प्रमुख का बैनर लगाकर यज्ञ किया गया। इस दौरान कांग्रेस विधायक बैठे रहे। विधायक आरिफ मसूद ने बताया कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवीन निक्की चौबे द्वारा 10 नंबर मार्केट श्री हनुमान जी के मंदिर पर भाजपा नेताओं के लिए सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया, जो हिंदू परंपरा में वर्णित एक आध्यात्मिक प्रार्थना और साधना है। यह यज्ञ विशेष रूप से उन सत्ताधारी नेताओं के लिए समर्पित है, जिन्होंने समय-समय पर भारतीय सेना या उसके उच्च पदस्थ अधिकारियों के बारे में अनुचित और अपमानजनक तथा असंवेदनशील टिप्पणियां की और कर रहे हैं। मसूद ने बताया कि ईश्वर से प्रार्थना है कि ऐसे नेताओं को सद्बुद्धि दे और भारत के प्रधानमंत्री से निवेदन है कि जो नेता लगातार देश और सेना का अपमान कर रहे हैं ऐसे नेताओं पर कार्रवाई करें। इस कार्यक्रम मुख्य रूप से भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक आरिफ मसूद और ब्लॉक कांग्रेस के सदस्य शामिल हुए।